PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक
सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311
WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 नवम्बर 2022 वर्ष : 5, अंक : 14 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

ज्ञान विचार

'शिक्षा जितनी पुरूषों के लिए आवशयक है उतनी ही महिलाओं के लिए।'
डॉ. अम्बेडकर

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

बाबासाहेब ने गरीब व पिछड़ों को मुख्यधारा में शामिल करने की व्यवस्था की : बीटीएफ

गजब हरियाणा न्यूज/तरसेम

होशियारपुर । माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उच्च जाति के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 10 प्रतिशत आरक्षण की मान्यता भारतीय संविधान की घोर उल्लंघना है ये विचार बेगमपुरा टाइगर फोर्स रजि. पंजाब के अध्यक्ष वीरपाल ठरोली और जिलाध्यक्ष हैप्पी फतेहगढ़ ने फोरस के मुख दफ्तर भगत नगर नजदीक माडल टाऊन होशियारपुर मे पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में जाति के आधार पर भेदभाव होता है, न कि आर्थिक आधार पर। भारतीय संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को जाति के आधार पर समाज की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आरक्षण प्रणाली की व्यवस्था की। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति के लोगों को किसी भी उच्च पद पर होने पर भी समाज में मान्यता नहीं मिलती है? इसका एक स्पष्ट उदाहरण अनुसूचित जाति के पूर्व राष्ट्रपति को पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी। पूर्व राष्ट्रपति को सीढ़ियों पर बैठकर मंदिर के बाहर पूजा-अर्चना कर लौटना पड़ा। ऐसा व्यवहार किसी ऊंची जाति के व्यक्ति के साथ नहीं होता, चाहे वह कितना भी गरीब क्यों न हो। इसलिए, भारत के संविधान ने जाति व्यवस्था की बुराई को देखते हुए, जाति के आधार पर आरक्षण प्रदान किया, न कि आर्थिक आधार पर। अत: माननीय सर्वोच्च न्यायालय को उच्च जाति के परिवारों को आर्थिक आधार पर दी गई मान्यता को वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सवर्णों को आरक्षण देना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन अगर सवर्णों को आरक्षण दिया गया है और सवर्ण भी एससी समाज की तरह अपने सिर पर गंदगी ढोने की प्रथा करे तो माननीय उच्च न्यायालय को भी सवर्णों को आरक्षण देने के साथ साथ ऐसी समाज की तरह सिर पर गंदगी ढोने का भी आदेश देना चाहिए । इस अवसर पर अमनदीप सिंह चरणजीत सिंह कमलजीत सिंह बिशनपाल ज्ञान चंद मुसफर सिंह शेरा सिंह विशाल सिंह हरनेक सिंह बधान सनी सीना सुशांत मनमन बिक्रम बिज हैप्पी फतेहगढ़ मनीष कुमार दविंदर कुमार विजय कुमार जलोवाल खानूर भूपिंदर कुमार भिंडा आदि उपस्थित थे। दोआबा प्रभारी जस्सा नंदन, जिला सचिव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शहरी सुशांत मनमान सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

सरकार ने भ्रष्टाचार खत्म करने को अनेक कदम उठाए : वनमंत्री

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, शिक्षा एवं वन मंत्री चौधरी कंवरपाल ने सोमवार को प्रतापनगर हाईडल कालोनी भूडकलां में जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं/शिकायतें सुनकर उनका शीघ्र समाधान करने के लिए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही दिशा-निर्देश दिए।।

शिक्षा एवं वन मंत्री चौधरी कंवर पाल ने कहा कि हरियाणा सरकार सबका साथ-सबका विकास की नीति पर चलते हुए विकास कार्यों को बड़ी तेजी से करवा रही है। प्रदेश से भ्रष्टाचार को खत्म करने के अनेक कदम उठाए गए है ताकि प्रदेश की जनता को भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता लोगों की समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार की जनहित योजनाओं को अपनाकर उनका लाभ उठाए। जनता दरबार में लोगों ने उनके समक्ष अनेकों प्रकार की समस्याएं एवं शिकायते रखी, जिस पर शिक्षा एवं वन मंत्री महोदय ने आश्वासन देते हुए कहा कि उनकी समस्याओं का शीघ्र ही समाधान होगा।

जनता दरबार में प्रताप नगर निवासी प्रवीण कुमार व अनिल कुमार ने जमीन से संबंधित,ताजेवाला निवासी हरिराम, रोशन, रामकिशन,रोहतास, शिक्षा देवी ने परिवार पहचान पत्र में आय से अधिक आय दिखाने बारे,मुबारकपुर निवासी काजल सुपुत्री मोलदीन ने मकान की मरम्मत के लिये सहायता राशि न मिलने बारे,गांव कड कोली निवासियों ने याकूबपुर से कडकौली तक व हाफिज हाफिज पुर से बक्करवाला तक सड़क की मरम्मत करवाने बारे, जयरामपुर निवासियों ने मकानों के ऊपर से गुजर रही बिजली की तारों को हटवाने,ऋषि पाल निवासी मेघुवाला ने नत्थानपुर बस

स्टैंड के पास हो रहे भूमि कटाव को रोकने,सतीश कुमार बेगमपुर ने बिजली का ट्रांसफार्मर फुकने के बाद बिजली विभाग द्वारा ट्रांसफार्मर न बदलने बारे,बल्ले माजरा निवासी राजन ने ट्यूबवेल कनेक्शन लगवाने,चुहड़पुर कला के सरपंच गीता राम ने बस अड्डे पर बसें ना रुकने बारे, पोंटा साहिब रोड से चुहड़पुर कलां गांव में जाने वाले रास्ते के किनारों पर खड़े पुराने पेड़ों को कटवाने बारे व चुहड़पुरकला बस अड्डे के समीप माजरी में बिजली के खंभे लगवाने बारे,कुटीपुर गांव के राकेश कुमार ने गांव के हैंडपंपों को ठीक करवाने, डारपुर गांव के सरपंच आबिद ने गांव के स्कूल के रास्ते में बिजली के लटकते तारों को ठीक करवाने,सलेमपुर खादर निवासी कृष्ण सैनी ने पीने के पानी की पाइप लाइन डालने, डारपुर निवासियों ने डारपुर से यमुनानगर बस सेवा चालू करने सहित लोगों ने अनेकों समस्याएं शिक्षा एवं वन मंत्री चौधरी कंवर पाल के समक्ष रखी जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उक्त समस्याओं के तुरंत समाधान के निर्देश दिए। ताजेवाला निवासी वकीला ने गांव में हुए झगड़े में घायल अपने बेटे सुल्तान के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की जिस पर शिक्षा एवं वन मंत्री कंवरपाल ने उन्हें उनके बेटे के इलाज के लिए पचास हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया।

आयुष्मान कार्ड बनाने की आज से की जाएगी शुरूआत मिलेगा 5 लाख रुपये वार्षिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ : डीसी

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि परिवार पहचान पत्र के आधार पर गरीब लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने की शुरूआत 16 नवम्बर को मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा वर्चुअल तौर पर की जाएगी। इस परियोजना के शुरू होने से जिन गरीब लोगों के नाम वर्ष 2011 की आर्थिक व सामाजिक जनगणना की सूची में शामिल नहीं थे, अब उन गरीब लोगों को परिवार पहचान पत्र के आधार पर आयुष्मान कार्ड बनने शुरू हो जाएंगे और उन गरीब लोगों को आयुष्मान कार्ड के आधार पर 5 लाख रुपये वार्षिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलना शुरू होगा। यह आयुष्मान कार्ड ऐसे परिवारों के बनाए जाएंगे जिनकी परिवार पहचान पत्र में वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम है।

उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि जिला में आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य को गति प्रदान की जाएगी और 16 नवम्बर को स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित करके ज्यादा से ज्यादा गरीब पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाने सुनिश्चित किए जाएंगे और परिवार पहचान पत्र के आधार पर आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए सरकार ने सुनहरी मौका दिया गया है, पात्र परिवारों को नजदीक के सीएचसी, पीएचसी व सीएससी सैंटरों पर जाकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आगे आना चाहिए।

डॉ. ज्ञान चहल कुवि शिक्षक क्लब के बने प्रधान शिक्षक क्लब के विकास की रहेगी प्राथमिकता

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के शिक्षक क्लब के प्रधान के चुनाव में शुक्रवार को आईआईएचएस के डॉ. ज्ञान चहल 104 मतों से चुनाव जीतकर शिक्षक क्लब के प्रधान बने। इस अवसर पर डॉ. ज्ञान चहल ने सभी शिक्षकों को धन्यवाद करते हुए कहा कि शिक्षक क्लब का विकास करना व क्लब में शिक्षकों के लिए सुविधाओं को बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। चुनाव अधिकारी कृष्ण चंद्र पांडे ने बताया कि 363 मताधिकार शिक्षकों में से कुल 253 वोट पड़े जिनमें से आईआईएचएस के डॉ. ज्ञान चहल को 178 वोट मिले वहीं संगीत एवं नृत्य विभाग के डॉ. अशोक शर्मा को 74 वोट मिले तथा एक वोट अमान्य घोषित किया गया। उन्होंने बताया कि डॉ. ज्ञान चहल ने 104 मतों से यह चुनाव जीता। इसके साथ ही शिक्षक क्लब के प्रधान पद का चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षक क्लब के पूर्व प्रधान डॉ. सोमवीर, प्रो. परमेश कुमार, प्रो. अनिल गुप्ता, डॉ. दलबीर हुड्डा, डॉ. सुधीर, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. कुलदीप पूनिया सहित अन्य शिक्षकों ने डॉ. ज्ञान चहल को बधाई दी।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2022 का 25 देशों के लोग कर बेसब्री के साथ इंतजार

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2022 का भारत सहित 25 देशों के लोग बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे है। इस महोत्सव के हर क्षण को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए प्रशासन की तरफ से इंटरनेशनलगीतामहोत्सव.इन वेबसाइट तैयार की है। इस वेबसाइट पर गीता क्विज और पोस्टर आदि प्रचार सामग्री को अपलोड कर दिया गया है।

इस साइट के पेज पर लगभग 50 हजार से ज्यादा लोगों ने विजिट भी किया है और लगभग 4 लाख हिटस भी दर्ज किए गए है। अहम पहलू यह है कि गीता महोत्सव के फेसबुक पेज पर 1 लाख 25 हजार 504 और इंस्टाग्राम पर 1 लाख 19 हजार 773 लोग जुड़ चुके है।

उपायुक्त शांतनु शर्मा ने प्रशासन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को लेकर वेबसाइट, फेसबुक पेज, इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल साइटस प्लेटफार्म तैयार किए गए है। इस वेबसाइट और अन्य सोशल साइट प्लेटफार्म के माध्यमों से देश-दुनिया के अधिक से अधिक लोगों को महोत्सव के साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह महोत्सव आमजन मानस का महोत्सव है, इसलिए इस महोत्सव के साथ लाखों-करोड़ों लोगों को जोडने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है।

इस आधुनिक दौर में सोशल साइट्स के माध्यम से तमाम अपडेट पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम है। इसलिए प्रशासन ने इस प्लेटफार्म के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के तमाम कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने की योजना तैयार की है। इस योजना के तहत प्रशासन ने इंटरनेशनलगीतामहोत्सव.इन वेबसाइट, फेसबुक, टविटर, इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल प्लेटफार्म का प्रयोग करने का मन बनाया है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की फेसबुक के साथ लगभग 1 लाख 25 हजार, इंस्टाग्राम के साथ लगभग 1 लाख 19 हजार लोग जुड़ चुके है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की वेबसाइट के साथ भी 50 हजार से ज्यादा लोगों ने विजिट करके लगभग 4 हजार हिटस भी किए है।

इसमें भारत के विभिन्न राज्यों से 34187 लोगों ने पेज पर विजिट करके 3 लाख 6 हजार 49 हिटस किए है, जबकि यूनाइटेड स्टेट अमेरिका के 5481 लोगों ने पेज पर विजिट करके 57167 हिटस किए है। इसी तरह कनाडा के 1247 लोगों ने पेज पर विजिट करके 14165 हिटस किए है। इन देशों के अलावा, पौलेंड, रशियन फेडरेशन, चाईना, आस्ट्रेलिया, मोरक्को, जापान, ग्रेट ब्रिटेन, फिलिपीन, जर्मनी, यूक्रेन, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, फ्रांस, हांगकांग, स्वेडन, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, नीदरलैंड, आयरलैंड, लटाविया, जार्जिया आदि देशों के लोगों ने भी वेबसाइट और अन्य सोशल प्लेटफार्म पर विजिट किया है।

अक्षय ऊर्जा की संभावनाएं

समय के साथ-साथ ऊर्जा जरूरतें बढ़ती और इन स्रोतों के समाप्त होने की स्थिति पैदा होती जा रही है। ऐसे में भारत सहित विश्व भर में ऊर्जा संकट गहरा रहा है। साथ ही जीवाश्म ईंधन से पर्यावरण दूषित हो रहा है। पारंपरिक संसाधनों से प्राप्त होने वाली बिजली की कीमतें लगातार बढ़ने और विश्व भर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा होने के चलते अब अक्षय ऊर्जा यानी रिन्यूएबल एनर्जी या हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) की मांग बढ़ती जा रही है। भारत की बढ़ती जनसंख्या के मुताबिक ऊर्जा जरूरतें पूरी करना एक बड़ी चुनौती बन गया है। आज विकासशील अर्थव्यवस्था वाले भारत के औद्योगिक विकास और कृषि कार्यों हेतु शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है। इसलिए अब बिजली की नियमित आपूर्ति के लिए भारत को न्यूनतम लागत के साथ विद्युत उत्पादन में आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है, जिससे औद्योगिक विकास और अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पर्यावरण प्रदूषण कम करने व स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में सौर ऊर्जा एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में मौजूद है। सौर ऊर्जा के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। भारत ने वर्ष 2030 तक चार सौ गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इस साल तक 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित करने का प्रयत्न है, जिसमें खासतौर पर सौर ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अभी तक लगभग सत्तर गीगावाट सौर ऊर्जा भारत में स्थापित हो चुकी है और लगभग चालीस गीगावाट विभिन्न चरणों में बनाई जा रही है। 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है और साथ ही दुनिया के दूसरे देशों का सहयोग भी कर रहा है।

आधुनिक विकास ने प्रकृति और पर्यावरण को बहुत हानि पहुंचाई है। इसलिए अब सूर्य के प्रकाश के साथ जुड़ कर ही हम इस बिगड़े प्राकृतिक संतुलन को साध सकते हैं। सूर्य कभी अस्त नहीं होता, उसकी रोशनी दुनिया के किसी न किसी कोने में हर समय पहुंचती रहती है। विश्व के कई ऐसे देश हैं, जहां सूर्य का प्रकाश भरपूर मात्रा में पहुंचता है, लेकिन प्रौद्योगिकी व संसाधनों की कमी के कारण वहां सौर ऊर्जा का उपयोग नहीं हो पा रहा। उन्नत तकनीक की उपलब्धता, आर्थिक संसाधन, कीमतों में कमी, भंडारण तकनीक का विकास, बड़े पैमाने पर निर्माण व नवोन्मेष जैसे सभी जरूरी संसाधन

ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए परंपरागत स्रोतों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमें पेट्रोलियम उत्पाद, कोयला, गैस, लकड़ी, गोबर, खेती की घास-फूस आदि ऊर्जा के गैर-नवीकरणीय स्रोत शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का उद्देश्य सदस्य देशों को सस्ती दरों पर सौर तकनीक का प्रबंध कराना और इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए बहुत आवश्यक हैं। पूरे विश्व में सौर ऊर्जा की आपूर्ति करने वाला एक राष्ट्रपारीय बिजली ग्रिड विकसित करने के उद्देश्य से, दुनिया भर के सभी देशों को एक साथ लाने का प्रयास 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' प्रोजेक्ट के माध्यम से किया जा रहा है। भारत की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य सामान्य संसाधनों का उपयोग करके बुनियादी ढांचे व सौर ऊर्जा के लाभों को वैश्विक सहयोग के माध्यम से साझा करना है। यह अंतरराष्ट्रीय ग्रिड विश्व भर में उत्पन्न सौर ऊर्जा को विभिन्न केंद्रों तक पहुंचाएगी।

नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर सौर ऊर्जा के लिए विश्व के अन्य देशों के साथ सहयोग बहुत जरूरी है और इसी के लिए अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना की गई है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन एक संधि-आधारित अंतरराष्ट्रीय अंतर-सरकारी संगठन है, जिसका प्रमुख उद्देश्य सदस्य देशों को सस्ती दरों पर सौर तकनीक का प्रबंध कराना और इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है। अब तक एक सौ दस देश इस समझौते पर हस्ताक्षर कर चुके हैं और 90 देशों ने इस पर हस्ताक्षर की सहमति दी है। भारत सरकार, ब्रिटेन और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन ने विश्व बैंक के सहयोग से वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन सम्मेलन काप-26 के दौरान वैश्विक ग्रीन ग्रिड इनीशिएटिव वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड का शुभारंभ किया था। इस परियोजना में सदस्य देश प्रौद्योगिकी, वित्त और कौशल के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों में निवेश आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सभी देशों के सहयोग से इस परियोजना की लागत में कमी आएगी, इसकी क्षमता में बढ़ोतरी होगी और सभी को इसका लाभ प्राप्त होगा। 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' के तहत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक दूसरे से जुड़े हुए ग्रीन ग्रिड के माध्यम से विभिन्न देशों के बीच ऊर्जा साझा करने और ऊर्जा आपूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस परियोजना के तीन चरण हैं, जिनमें से पहले चरण में मध्य एशिया, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच हरित ऊर्जा स्रोतों, जैसे कि सौर ऊर्जा को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। दूसरे चरण में एशिया में जोड़े हुए ग्रिडों को अफ्रीका से जोड़ा जाएगा और तीसरे चरण में वैश्विक स्तर पर विद्युत ग्रिडों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। सौर ऊर्जा स्वच्छ ऊर्जा होने के साथ-साथ सबसे सस्ती है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह पूरे विश्व में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी मुहैया करा रही है।

नवीकरणीय ऊर्जा और रोजगार वार्षिक समीक्षा 2022 नामक इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वर्ष करीब एक करोड़ 27 लाख लोगों को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में रोजगार के ढेरों अवसर प्राप्त हुए। कोविड महामारी व ऊर्जा संकट के बावजूद सात लाख लोगों को नई नौकरियां प्राप्त हुईं। 2021 में इस क्षेत्र में लगभग 43 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए। दरअसल, सौर ऊर्जा का क्षेत्र बहुत तेजी से वृद्धि करने वाला क्षेत्र माना जाता है। तेल के सीमित भंडार के कारण पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों की जगह अब इलेक्ट्रिक वाहन ले रहे हैं और इस दिशा में लगातार नए प्रयोग किए जा रहे हैं। कंपनियां डीजल-पेट्रोल पर निर्भरता कम करने और इनके प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहन बना रही हैं। हालांकि विश्व के सामने कई बड़ी चुनौतियां भी हैं।

जैसे इसके कार्यान्वयन के लिए बड़ी चुनौतियों में से एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में स्थित ग्रिड बनाए रखना होगा। बिजली ग्रिड दुर्घटनाओं, साइबर हमलों और मौसम की चपेट में आ सकता है। इसके सदस्य देशों में अमीर और गरीब दोनों देश शामिल हैं, जिससे लागत साझाकरण का तंत्र भी चुनौतीपूर्ण होगा। परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए मजबूत वित्तीय उपायों को अपनाने की आवश्यकता है, हरित बांड, संस्थागत ऋण और स्वच्छ ऊर्जा निधि जैसे अभिनव प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने की जरूरत है, विशेषकर भंडारण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में। हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन तथा 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' जैसे कदम और सभी देशों के आपसी सहयोग तथा प्रयासों के चलते हम अगली पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य दे सकते हैं।

जरनैल रंगा

हरियाणा के गांवों में खुलेंगे डेयरी शेड

5 हजार गांव सिलेक्ट, 12 शहरों में बनेगा मॉडर्न हैफेड बाजार

मिलेगा क्वालिटी वाला सामान

हरियाणा सरकार राज्य के गांवों में डेयरी शेड खोलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 5000 गांवों को चिह्नित किया गया है। इसके साथ ही सहकारी फेडरेशन में कमर्शियल गतिविधि बढ़ाने के लिए 12 बड़े शहरों में मॉडर्न हैफेड बाजार भी खोलेगी। इसमें स्थानीय युवाओं और महिलाओं को रोजगार दिया जाएगा। साथ ही लोगों को क्वालिटी का सामान भी एक स्थान पर मिल सकेगा।

इन शहरों में खुलेगा मॉडर्न बाजार

सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने बताया कि हिसार, भिवानी, फतेहाबाद, सिरसा, पलवल, गुरुग्राम, रोहतक जैसे 12 शहरों में मॉडर्न हैफेड बाजार खोलने पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार हर गांव में दुग्ध सोसायटी एवं डेयरी शेड खोले जाएंगे। इसके लिए 5 हजार गांवों की पहचान कर ली गई है।

डेयरी शेड पर फीड सेंटर भी खुलेंगे

गांव स्तर पर डेयरी शेड खुलने से जिन परिवारों के पास पशु बांधने के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध नहीं है उन्हें स्थान भी मिलेगा। सीएम परिवार उत्थान योजना के तहत ऋण की सुविधा भी मिल सकेगी। इन स्थलों पर हैफेड कैटल फीड सेंटर भी खोले जाएंगे। पशुपालकों को पशु क्रेडिट कार्ड भी प्रदान किए जा सकेंगे।

10 हजार की सिक्योरिटी में मिलेगा वीटा बूथ

सहकारिता मंत्री ने बताया कि सहकारी फेडरेशन के उत्पादों की मार्केट में सहभागिता बढ़ाने और युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान के लिए सरल तरीके से वीटा बूथ प्रदान किए जाएंगे। केवल 10 हजार रुपए की सिक्योरिटी राशि देकर आसानी से

वीटा बूथ लिया जा सकता है। वीटा बूथ लगाने के लिए 50 हजार रुपए की लागत राशि में भी छूट दी जा रही है। लोग आसानी से अपने घरों की दुकानों में भी वीटा बूथ खोल सकेंगे।

यहां भी मिलेंगे उत्पाद

शहरों की पुलिस लाइन, स्कूल, कालेज, बस स्टैंड, पर्यटन केंद्रों में भी वीटा के उत्पाद आसानी से उपलब्ध कराए जाएंगे। वीटा 11 प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर नागरिकों को उपलब्ध करा रहा है। हरियाणा सिविल सचिवालय में भी अलग अलग प्रकार के सभी व्यंजन उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। वर्ष 2021-22 के दौरान हैफेड ने 207 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है।

हरियाणा मे कांग्रेस को मजबूत करे : खड़गे

*** प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से भेंट कर किया स्वागत**

*** अवगत करवाया प्रदेश के राजनीतिक हालातो से**

गजब हरियाणा न्यूज/अमित

घरौंडा/करनाल । हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने अखिल भारतीय कांग्रेस के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। उन्होंने इस अवसर पर हरियाणा के लोगो की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। उन्हे हरियाणा की पगडी भेंट की। मल्लिकार्जुन खड़गे को बधाई दी। उन्हे हरियाणा के राजनेतिक हालत से अवगत करवाया। मल्लिकार्जुन ने हरियाणा मे कांग्रेस की दिशा और दिशा को लेकर निर्देश दिये। सुरेश गुप्ता ने अध्यक्ष महोदय को भरोसा दिलाया कि सभी को साथ लेकर कांग्रेस को मजबूत बनाया जा रहा है। आगामी लोक सभा और विधान सभा चुनावो में कांग्रेस सभी के सहयोग से बेहतर प्रदर्शन करेगी। हरियाणा मे सत्ता मे वापसी करेगी। मल्लिकार्जुन ने जानकारी ली। सुरेश गुप्ता को काम करने के लिए आशीर्वाद दिया।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

विद्यार्थियों को संस्कार देना जरूरी : भाटिया

गजब हरियाणा न्यूज

करनाल, भारत विकास परिषद माधव शाखा द्वारा सनातन धर्म बाल मंदिर,राम नगर मेंभारत जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 10 विद्यालयों के लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया तथा इसका उद्देश्य परिषद के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों को भी शिक्षित करना था जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग भारत के बारे जानकारी ले सकें । ज्ञात रहे कि भारत विकास परिषद माधव शाखा के द्वारा प्रतिवर्ष भारत जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है तथा इस पुनीत कार्य के लिए शहर के लोगों का सहयोग लिया जाता है इस अवसर पर प्रकल्प प्रमुख गीता प्रकाश ने कहा कि इस प्रतियोगिताब को ज़िला स्तर पर,राज्य स्तर पर,बाद में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री अजय शर्मा ने आए हुए सभी अतिथियों का औह्र आए हुए बच्चों तथा उनके अभिभावको का स्वागत किया तथा उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की इस अवसर पर विशेष रुप से उपस्थित धीरज भाटिया, महासचिव,भारत विकास परिषद्, हरियाणा ने सभी आए हुए लोगों को भारत विकास परिषद द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी । उनोहोंने बच्चों को देश की सेवा में अपना योगदान देने का आह्वान किया, उन्होने ने बताया कि 21वी शताब्दी भारत की है और बच्चे भारत के विकास के शाक्षी बने ।शाखा के सदसय रमेश कपूर एवम वित सचिव छिकारा जी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी तयारिया की ।अंत में शाखा सचिव श्री एसएम सिंगल के द्वारा सभी अतिथियों का ,प्रेस के लोगों का, प्रशासन के लोगों का धन्यवाद किया गया ।प्रकल्प प्रमुख श्री संजय अरोड़ा ने भी अपनी ओर से शाखा के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया और उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में जब कभी भी आवश्यक होगा वह एस, डी बाल मंदिर विभिन्न गतिविधियों को कराने में अपना सहयोग देते रहेंगे ।इस अवसर पर डॉक्टर करुणा अरोड़ा, सुचेता गुप्ता, डॉ वी के सिंगला, सरिता ठाकुर आदि अन्य सदस्य भी उपस्थित थे कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिए जलपान की व्यवस्था की गई और सभी को शाखा की वरिष्ठ सदस्य मंजू शर्मा द्वारा यह प्रतिज्ञा कराई गई जब कभी भी किसी निर्धन अथवा जरूरतमंद विद्यार्थी को आवश्यकता होगी तो परिषद के सभी सदस्य इस पुनीत कार्य के लिए अपना पूर्ण सहयोग देंगे। कार्यक्रम की समाप्ति राष्ट्रीय गान के साथ की गई। कुरुक्षेत्र के मानद सदसय श्री श्याम बत्रा और सिटीजन ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य रजनीश चोपड़ा जी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

ऑनलाइन कोर्सिज वर्तमान समय की मांग: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने शुक्रवार को दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय, यूजीसी के डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो द्वारा मंजूरी प्रदान किए हुए स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के आनलाईन कोर्सिज को लांच किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय इस सत्र से ऑनलाईन कोर्सिज की शुरुआत करने जा रहा है। इन कोर्सिज में डिग्री कोर्सिज सहित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा प्रोग्राम शामिल हैं।

इस मौके पर बोलते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि ऑनलाइन कोर्सिज वर्तमान समय की मांग है तथा सभी ऑनलाइन कोर्सिज समय की आवश्यकताओं को देखते हुए डिजाइन किए गए हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश के उच्च शिक्षा और अनुसंधान के प्रमुख संस्थानों में से एक है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत ऑनलाईन प्रोग्राम शुरू करने की दिशा में यह कुवि का महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के एक प्रतिष्ठित संस्थान होने के नाते इन ऑनलाइन कोर्सिज का आरम्भ होना शैक्षणिक क्षेत्र में एक नए युग शुरुआत है। उन्होंने कहा कि यह ऑनलाइन डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्सिज विद्यार्थियों को सीखने और करियर में भविष्य को सुनिश्चित करने के साथ एक कक्षा जैसी शिक्षा प्रदान करेगी। ये सभी ऑनलाइन कार्यक्रम 2035 तक 50 प्रतिशत जीईआर लक्ष्य प्राप्त करने में बड़े पैमाने पर मदद करेंगे। इसके अतिरिक्त ये कोर्स एनईपी 2020 के अनुरूप हैं क्योंकि छात्र अब 40 प्रतिशत ऑनलाइन पाठ्यक्रम चुनने के लिए स्वतंत्र हैं, जिन्हें वे अपनी ऑफलाइन डिग्री के साथ एकीकृत कर सकते हैं। केयू ने 2022 से अपने सभी ऑन-कैंपस यूजी कार्यक्रमों में एनईपी को पहले ही लागू कर दिया है।

प्रो. सोमनाथ ने बताया कि समय की मांग को देखते हुए ऑनलाइन डिग्री कोर्सो में बीए, बीकॉम, एमए मास कम्यूनिकेशन तथा एमकॉम शामिल है। इसके साथ ही सर्टिफिकेट/भाषा डिप्लोमा कोर्सिज में जर्मन, फ्रेंच व जापानी भाषा सहित वर्तमान में आधुनिक क्षेत्रों महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विषयों साइबर सिक्योरिटी, मशीन लर्निंग/आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन मैनेजमेंट, फुल स्टैक डेवलपमेंट, क्लाउड कम्प्यूटिंग व डाटा एनालिटिक्स को शामिल किया गया हैं।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए मजबूत आधारभूत ढांचा और ऑटोमेशन सुविधा कुवि की पहली प्राथमिकता है। इस ऐतिहासिक निर्णय से आटोमेशन में दूरगामी बदलाव होंगे व विद्यार्थियों को एक कोस्ट इफेक्टिव, ऑनलाईन व आटोमेटिड प्रणाली के द्वारा शिक्षा की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रोग्राम्स के ऑनलाइन लॉन्च से उच्च शिक्षा में उच्च सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) के द्वार खुलेंगे जो वर्तमान में लगभग 28 प्रतिशत है। इसके साथ यह 21वीं सदी में बदलते स्वरूप एवं मांग के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान, शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान वृद्धि करके भारत को एक ज्ञान महाशक्ति बनाने का एक अहम कदम है। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार यूजीसी के मानदंडों के अनुरूप कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा 12 अफ्रीकी देशों के 140 विदेशी विद्यार्थियों को ऑनलाइन कोर्सिज में पंजीकृत किए जा चुके हैं।

इस प्रणाली के द्वारा बेस्ट गुणवत्ता व लागत के आधार पर विद्यार्थियों के लिए एक नया प्लेटफार्म खड़ा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय शिक्षा ऑनलाईन माध्यम से उनकी सुविधा के अनुसार प्रदान की जाएगी। इससे विश्वविद्यालय आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ेगा और विद्यार्थी शिक्षा अनुपात में भी वृद्धि होगी। इसके अंतर्गत जीरो लागत शिक्षा प्रणाली का लाभ विश्वविद्यालय को मिलेगा और नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को भी गति मिलेगी। टैलेंट एज कम्पनी एक तकनीकी सहभागी के रूप में कुवि के साथ ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करेगी।

कुवि की डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजूला चौधरी ने कहा कि एनईपी 2020 के परिप्रेक्ष्य में इन कोर्सो का लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा ताकि छात्र स्वयं का आत्मनिर्भर का मार्ग प्रशस्त कर सके।

कुवि के दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने बताया कि यह ऑनलाइन कोर्सिज शिक्षार्थियों को उद्योग से वास्तविक जीवन से जोड़ते हुए सीखने के साथ-साथ इंटरनेट कनेक्टिविटी और एक युवा भारत की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार इन कार्यक्रमों के शुभारंभ से ही भारत गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ेगा।

इस मौके पर डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. मंजूला चौधरी, कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार, टैलेंट एज कम्पनी के अधिकारी, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. अनिता दुआ, प्रो. एसके चहल, डॉ. हुकम सिंह व डॉ. अंकेश्वर प्रकाश आदि मौजूद थे।

2 से 4 दिसंबर तक जिला में होगा गीता जयंती समारोह

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2022 पानीपत जिला मुख्यालय पर आगामी 2 से 4 दिसंबर तक गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों के मद्देनजर डीसी सुशील सारवान ने संबंधित अधिकारियों को गीता थीम पर आधारित सभी प्रकार के सांस्कृतिक व अन्य गतिविधियों के आयोजन बारे दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि इस बाबत सीईओ केडीबी विजय दहिया व मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा के महानिदेशक डा.अमित कुमार अग्रवाल ने विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिला में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा से भी अवगत करवा दिया है। उन्होंने कहा कि जिला में प्रभावी ढंग से गीता महोत्सव को संपन्न करवाया जाएगा।

गीता सार के साथ होगा महोत्सव का आगाज: डीसी

डीसी सुशील सारवान ने बताया कि तीन दिवसीय महोत्सव पूर्ण रूप से गीता के उपदेशों की महत्ता आज के परिवेश में कितनी कारगर है, के आधारभूत सांस्कृतिक मंच को सजाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय महोत्सव में राजकीय व निजी विद्यालयों की संयुक्त भागीदारी रहेगी और सभी धार्मिक, सामाजिक संगठनों की सहभागिता के साथ भव्य ढंग से महोत्सव को मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिला में आयोजित 2 से 4 दिसंबर का गीता महोत्सव गीता के सार्थक संदेश को समर्पित होगा। उन्होंने बताया कि इन तीन दिनों में जिला के लोगों को गीता में दिए गए सभी पहलूओं को केंद्रित करते हुए आमजन तक सार्थक संदेश पहुंचाया जाएगा। डीसी ने कहा कि यह तीन का महोत्सव बदलते हुए सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों में गीता की सार्थकता पर केंद्रीभूत होगा। गीता जयंती समारोह के लिए सीईओ जिला परिषद विवेक चौधरी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। बैठक में एसडीएम पानीपत वीरेन्द्र ढूल व एसडीएम समालखा अमित कुमार, सीटीएम राजेश सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप दहिया के अलावा समाजसेवी हरिओम तायल व अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बकायेदारों की सील की गई 16 दुकानों का सामान जब्त कर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट ने लिया कब्जा

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, किराया जमा न कराने पर जनवरी 2021 में सील की गई 19 दुकानों में से 16 दुकानों पर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट ने सामान जब्त कर कब्जा ले लिया। इन बकायेदारों पर निगम का लगभग 45 लाख रुपये किराया बकाया था। किराया जमा न कराने पर निगम की ओर से इन्हें कई नोटिस दिए गए थे। नोटिस देने के बावजूद बकायेदारों ने जब किराया जमा नहीं कराया तो 18 जनवरी 2021 को इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की टीम ने पुराना रादौर रोड स्थित जवाहर मार्केट में 13 दुकानें और बस स्टैंड के नजदीक सरोजनी कॉलोनी पार्ट एक में छह दुकानें सील की थी। बाद में दो दुकानदारों ने किराया जमा करवाकर दुकानों की सील खुलवा ली थी। जबकि एक दुकानदार ने किराया जमा करवाकर सील खुलवाने के लिए आवेदन किया हुआ है। किराया जमा न करवाने पर शुक्रवार को निगमायुक्त आयुष सिन्हा के निर्देशों पर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की अधीक्षक तेजिंद्र कौर के नेतृत्व में निगम की टीम ने 16 दुकानों पर कब्जा लेने की कार्रवाई की।

तेजिंद्र कौर के नेतृत्व में सीएसआई सुरेंद्र चोपड़ा, एसआई गोविंद शर्मा, नाहिद खान, मोहित कुमार व अन्य की टीम शुक्रवार को पुराना रादौर रोड स्थित जवाहर मार्केट पहुंची। निगम ने यहां सील की गई दुकान नंबर 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 80, 82, 83, 84 व 85 पर लगी सील को तोड़कर उनके अंदर रखे सामान को निगम के वाहन में लोड कर स्टोर में पहुंचाया। इसके बाद निगम ने इन दुकानों पर कब्जा ले लिया। इससे पूर्व नगर निगम के इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की इस टीम बस स्टैंड के नजदीक स्थित सरोजनी कॉलोनी पार्ट एक में सील की गई दुकान नंबर 9, 11, 16 व 17 पर कब्जा लिया। निगम अधिकारियों ने इन दुकानों के अंदर रखे सामान को भी जब्त कर लिया। इन दुकानों पर लगभग 45 लाख रुपये किराया बकाया था। इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट अधीक्षक तेजिंद्र कौर ने बताया कि जवाहर मार्केट की दुकान नंबर 15 और सरोजनी कॉलोनी पार्ट एक की दुकान नंबर आठ व दस के किरायेदारों द्वारा किराया राशि जमा करवा दी गई है। इसलिए उन दुकानों पर कब्जा नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा के निर्देशों पर की गई। इन बकायेदारों को कई बार नगर निगम की ओर से नोटिस दिए जा चुके है। बावजूद इसके इन्होंने किराया जमा नहीं करवाया। जिसके बाद निगम की ओर से यह कार्रवाई अमल में लाई गई। उन्होंने कहा कि सीलिंग कार्रवाई से बचने के लिए किरायेदार समय पर अपनी दुकानों का किराया जमा कराएं। किराया जमा न कराने पर दुकानों को सील किया जाएगा। बाद में उस पर कब्जा लेकर किसी अन्य को दुकान किराये पर दे दी जाएगी।

करनाल व पानीपत में
पत्रकारिता के इच्छुक
व्यक्ति सम्पर्क करें।
92551-03233

मौत की दवा

श्रावस्ती नगरी में कृशागौतमी नाम की एक कन्या रहती थी। गौतमी उसका असली नाम था। काम करते-करते वह जल्दी थक जाती थी, अतएव लोग उसे कृशागौतमी के नाम से पुकारते थे। गौतमी ने जवानी में प्रवेश किया, और उसका विवाह हो गया।

गौतमी गरीब घराने की थी, अतएव उसकी ससुराल के लोग उसका यथोचित आदर न करते थे।

कुछ समय बाद गौतमी के एक पुत्र हुआ। अब घर में उसका आदर होने लगा। लेकिन होनहार कुछ दूसरा ही था। गौतमी का शिशु जब कुछ बड़ा हुआ, और इधर-उधर खेलने लायक हुआ तो विधाता ने उसे उठा लिया।

गौतमी ने सोचा - पुत्र-जन्म से पहले मेरा इस घर में अनादर होता था। पुत्र-जन्म के बाद लोग मेरा आदर करने लगे। लेकिन अब ये लोग मेरे प्रिय शिशु को न जाने कहाँ छोड़ देंगे ?

गौतमी अपने मृत पुत्र को गोद में ले उसके लिए घर-घर दवा माँगती फिरने लगी।

लोग ताली बजाकर हँसी-ठट्ठा करते और कहते, 'पगली ! कहीं मरे हुए की भी दवा होती है।'

किसी भले आदमी को गौतमी पर बहुत दया आयी। उसने सोचा, इसमें इस बेचारी का दोष नहीं। यह पुत्र-शोक से पागल हो गयी है। इसकी दवा बुद्ध भगवान् को छोड़कर और किसी के पास नहीं।

उसने कहा, 'माँ! तुम बुद्ध भगवान् के पास जाकर उनसे पूछो।'

गौतमी अपने शिशु को गोद में ले, जहाँ बुद्ध पालथी मारे बैठे थे, पहुँची और अभिवादन करके बोली, 'महाराज! मेरे पुत्र को दवा दीजिए।'

तथागत ने कहा, 'तूने अच्छा किया जो यहाँ चली आयी। देख, तू इस नगर में से, जिस घर में किसी की मौत न हुई हो, सरसों के दाने माँग ला। फिर मैं तुझे दवा दूँगा।'

भगवान् की बात सुनकर गौतमी बहुत प्रसन्न हुई, और सरसों के दाने लेने के लिए चल दी।

पहले घर में जाकर उसने निवेदन किया, 'देखिए, बुद्ध भगवान् ने मुझे आप लोगों के घर से सरसों माँगकर लाने को कहा है, आप लोग सरसों देने की कृपा करें।' गौतमी के ये शब्द सुनकर एक आदमी झट से घर में से सरसों के दाने ले आया और गौतमी को देने लगा।

गौतमी ने पूछा, 'पहले यह बताइए कि इस घर में किसी की मौत तो नहीं हुई ?'

यह सुनकर घर के लोग आश्चर्य से कहने लगे, 'गौतमी !

यह तू क्या कह रही है ? यहाँ कितने आदमी मर चुके हैं, इसका कोई हिसाब है ?'

गौतमी - 'तो मैं आपके घर से सरसों न लूँगी।'

गौतमी दूसरे घर गयी। सब जगह उसे वही जवाब मिला। उसने समझा, शायद सारे नगर में यही बात हो।

उसे एकदम ध्यान आया कि बुद्ध भगवान् ने शायद जान-बूझकर ही मुझे सरसों माँगने के लिए भेजा है।

वह शीघ्र ही अपने मृत पुत्र को नगर के बाहर श्मशान में ले गयी। उसे अपने हाथ में लेकर बोली, 'प्रिय पुत्र ! मैंने समझा था शायद तुम्हीं अकेले मरने के लिए पैदा हुए हो। लेकिन अब मुझे मालूम हुआ कि मौत सबके लिए है। जो पैदा हुआ है, उसे एक न एक दिन अवश्य मरना है।'

इतना कहकर अपने पुत्र को श्मशान में रख, वहाँ से लौट आयी।

लौटकर गौतमी बुद्ध के पास गयी।

बुद्ध ने पूछा, 'गौतमी ! सरसों के दाने मिल गये ?'

गौतमी, 'भगवन्! सरसों नहीं चाहिए। उनका काम हो गया है !'

आईएएस बनने के लिए कितनी देर चलाएं मोबाइल कितने घंटे करें पढ़ाई, जानिए

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कराया जाने वाला सिविल सर्विस एग्जाम सबसे कठिम एग्जाम है, हर साल इसकी तैयारी लाखों स्टूडेंट्स करते हैं। असल में सीएसई एग्जाम एक्सट्रीम फोकस, धैर्य, तनाव को हैंडल करने की क्षमता

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कराया जाने वाला सिविल सर्विस एग्जाम सबसे कठिन एग्जाम है, हर साल इसकी तैयारी लाखों स्टूडेंट्स करते हैं। असल में सीएसई एग्जाम एक्सट्रीम फोकस, धैर्य, तनाव को हैंडल करने की क्षमता तीनों का समन्वय है। इसके बाद भी उम्मीदवार इस एग्जाम को क्रैक नहीं कर पाते हैं। दरअसल फोकस करना सबसे मुश्किल काम है। अगर आप फोकस करते हैं, तो दो दूसरे फैक्टर, धैर्य और तनाव पहले से नीचे गिरने लगते हैं। मिर्जापुर की डीएम दिव्या मित्तल ने स्टूडेंट्स की इसी तरह की समस्याओं के लिए कुछ टिप्स दिए हैं।

यूपी के मिर्जापुर की जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल ने यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा 2012 में ऑल इंडिया में 68 रैंक पाई थी। यही नहीं दिव्या ने आईआईटी और आईआईएम एग्जाम भी क्रैक किए हैं। दिव्या मानती हैं कि इनमें एग्जाम का तनाव होता है, लेकिन यूपीएससी एक अलग गेम है। डीएम दिव्या मित्तल का कहना है कि यूपीएससी एग्जाम की तैयारी करते वक्त उनका मन भी कई बार बदला। इसी वजह से अब वे नए अभ्यार्थियों को यूपीएससी एग्जाम क्रैक करने के टिप्स देती रहती हैं।

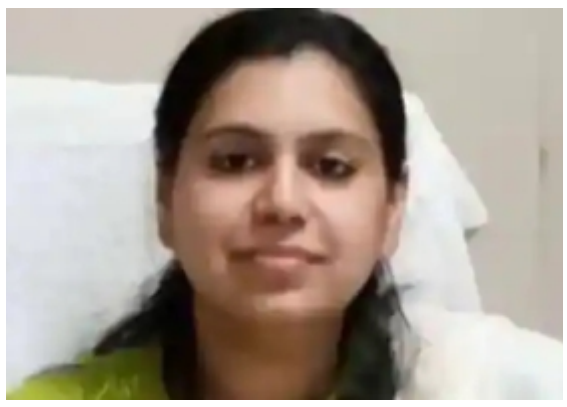

मोबाइल का इस्तेमाल- उन्होंने बताया कि मोबाइल का इस्तेमाल तैयारी के समय बहुत ध्यान से करना चाहिए। इसके समय को बहुत कम करना चाहिए। कम से कम दिन के 6 घंटे मोबाइल और इंटरनेट को अपने से दूर रखना चाहिए।

सुबह की स्टडी- दिव्या मित्तल सुबह की तैयारी में विश्वास रखती हैं। उनका मानना है कि सुबह के समय पढ़ाई करते हैं तो ध्यान पूरा पढ़ाई में लगता है, कम भटकता है।

शार्ट स्टडी सेशन- आईएएस ऑफिसर ने शार्ट स्टडी सेशन 90-120 मिनट के लिए करने का सुझाव दिया है। इसके बीच में 15 मिनट का इंतजार भी करना चाहिए।

सीजेआई का राज्यसभा जाना उचित है ?

जस्टिस यूयू ललित का जवाब रंजन गोगोई की याद दिला गया

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित ने रिटायर्ड जजों की सरकारी नियुक्तियों को लेकर अपनी राय सामने रखी है. एक इंटरव्यू में यूयू ललित ने कहा कि वो किसी पूर्व सीजेआई के राज्यसभा सदस्य या गर्वनर पद स्वीकार करने के विचार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन व्यक्तिगत रूप से ऐसा करने से परहेज करेंगे। पूर्व सीजेआई ने कहा कि जिस पद पर वो रहे हैं, उसे ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा प्रस्तावित पद को स्वीकार करना उचित नहीं है।

दरअसल, देश के 46वें चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने रिटायर होने के बाद सरकार की तरफ से प्रस्तावित राज्यसभा की सदस्यता स्वीकार कर ली थी। रंजन गोगोई साल 2018 में सीजेआई नियुक्त किए गए थे। 17 नवंबर, 2019 को रिटायर होने के कुछ समय बाद वो राज्यसभा सांसद के रूप में संसद पहुंचे थे। इसको लेकर बाद में विवाद भी हुआ था और कोर्ट में कई पिटिशन भी फाइल की गई थीं।

इसी को लेकर यूयू ललित ने अपनी राय रखी है। एनडीटीवीको दिए इंटरव्यू में ललित ने कहा कि वो सरकारी पदों पर नियुक्ति को स्वीकार करने के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन वो खुद राज्यसभा के नॉमिनेशन या गवर्नर के पद को स्वीकार नहीं करेंगे। उनके मुताबिक ऐसा करना 'डिमोशन नहीं है, लेकिन चीफ जस्टिस जैसे स्टेटस के लिए उचित नहीं है।'

रिटायरमेंट के बाद जजों के सरकारी पदों को स्वीकारने की बात पर यूयू ललित ने कहा,'देश के चीफ जस्टिस के रूप पद संभालने के बाद मुझे लगता है कि राज्यसभा के नॉमिनेटेड सदस्य के रूप में काम करना सही विचार नहीं है। या किसी राज्य के गवर्नर के रूप में काम करना भी सही विचार नहीं है। ये मेरी व्यक्तिगत सोच है। मैं ये नहीं

कह रहा कि बाकी लोग गलत हैं।'

पूर्व चीफ जस्टिस ने आगे कहा कि उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रमुख, लोकपाल या लॉ कमीशन के प्रमुख के रूप में काम काम करने में कोई आपत्ति नहीं होगी। यूयू ललित ने बताया,'राज्यसभा पूरी तरह से अलग है. मेरे कहने का मतलब ये है कि ह।ाष्ट्र के प्रमुख जैसे पद, जो संसद द्वारा पारित कानून से चलते हैं. इसके अलावा संसद ने इन पदों के लिए ये भी बताया है कि कितने अनुभवी लोग इन पदों पर बैठ सकते हैं. '

यूयू ललित ने आगे कहा कि वो विभिन्न स्तरों पर कानून की पढ़ाई कराना चाहेंगे। वो या तो नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी में या किसी लॉ स्कूल में गेस्ट फैकल्टी के रूप में पढ़ाना चाहेंगे।

जस्टिस यूयू ललित ने देश के नए मुख्य न्यायाधीश के तौर पर 27 अगस्त को शपथ ली थी। वो तीन महीने से भी कम समय के लिए सीजेआई के पद पर रहे। बीती 8 नवंबर के दिन जस्टिस यूयू ललित 65 साल की उम्र में सीजेसी पद से रिटायर हो गए। उनकी जगह जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ देश के 50वें चीफ जस्टिस बने हैं।

भारतीय संविधान

भाग और अनुच्छेद 168 से 201

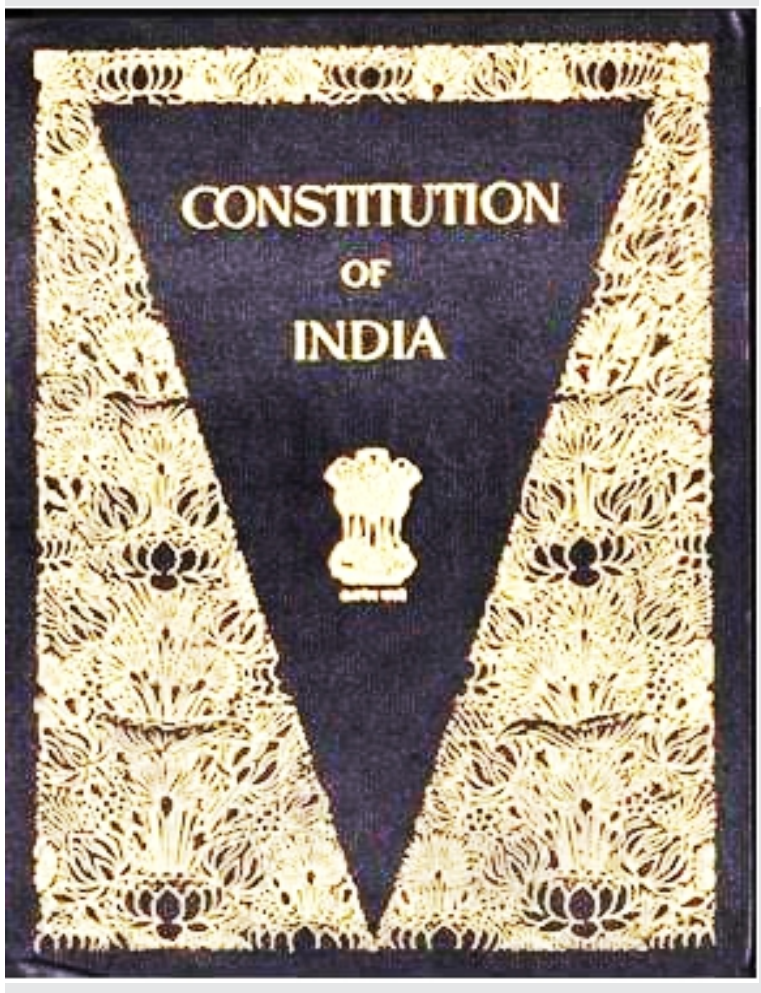

मुख्यमंत्री के कर्तव्य

अनुच्छेद 168 : राज्य के विधान मंडल का गठन

अनुच्छेद 169 : राज्यों में विधान परिषदों का उत्सादन या सृजन

अनुच्छेद 170 : विधानसभाओं की संरचना

अनुच्छेद 171 : विधान परिषद की संरचना

अनुच्छेद 172 : राज्यों के विधानमंडल कि अवधी

अनुच्छेद 173 : राज्य के विधान-मंडल की सदस्यता के लिए अर्हता

अनुच्छेद 174 : राज्य के विधान-मंडल के सत्र, सत्रावहसान और विघटन

अनुच्छेद 175 : सदन और सदनों में अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राज्यपाल का अधिकार

अनुच्छेद 176 : राज्यपाल का विशेष अभिभाषण

अनुच्छेद 177: सदनों के बारे में मंत्रियों और महाधिवक्ता के अधिकार

अनुच्छेद 178 : विधानसभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

अनुच्छेद 179 : अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद रिक्त होना या पद से हटाया जाना

अनुच्छेद 180: अध्यक्ष के पदों के कार्य व शक्ति

अनुच्छेद 181: अध्यक्ष उपाध्यक्ष को पद से हटाने का कोई संकल्प पारित होने पर उसका पिठासिन ना होना

अनुच्छेद 182 : विधान परिषद का सभापति और उपसभापति

अनुच्छेद 183 : सभापति और उपासभापति का पद रिक्त होना पद त्याग या पद से हटाया जाना

अनुच्छेद 184 : सभापति के पद के कर्तव्यों का पालन व शक्ति

अनुच्छेद 185 : संभापति उपसभापति को पद से हटाए जाने का संकल्प विचाराधीन होने पर उसका पीठासीन ना होना

अनुच्छेद 186 : अध्यक्ष उपाध्यक्ष सभापति और उपसभापति के वेतन और भत्ते

अनुच्छेद 187: राज्य के विधान मंडल का सविचाल.

अनुच्छेद 188 : सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान

अनुच्छेद 189: सदनों में मतदान रिक्तियां होते हुए भी साधनों का कार्य करने की शक्ति और गणपूर्ति

अनुच्छेद 190 : स्थानों का रिक्त होना

अनुच्छेद 191 : सदस्यता के लिए निरर्हताएं

अनुच्छेद 192 :सदस्यों की निरर्हताओं से संबंधित प्रश्नों पर विनिश्चय

अनुच्छेद 193 : अनुच्छेद 188 के अधीन शपथ लेने या प्रतिज्ञा करने से पहले या अर्हित न होते हुए या निरर्हित किए जाने पर बैठने और मत देने के लिए शास्ति राज्यों के विधान-मंडलों और उनके सदस्यों की शक्तियां, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियां

अनुच्छेद 194: विधान-मंडलों के सदनों की तथा सदस्यों और समितियों की शक्तियां, विशेषधिकार आदि

अनुच्छेद 195: सदस्यों के वेतन और भत्ते विधायी प्रक्रिया

अनुच्छेद 196 : विधेयकों के पुर: स्थापन और पारित किए जाने के संबंध में उपबंध

अनुच्छेद 197 : धन विधेयकों से भिन्न विधेयकों के बारे में विधान परिषद की शक्तियों पर निर्बंधन

अनुच्छेद 198 : धन विधेयकों के संबंध में विशेष प्रक्रिया

अनुच्छेद 199 : धन विदेश की परिभाषा

अनुच्छेद 200 : विधायकों पर अनुमति

अनुच्छेद 201 : विचार के लिए आरक्षित विधेयक

अमृतवाणी

अमृतबाणी

श्री गुरु रविदास जिओ की
जय गुरूदेव जी
रविदास तुं कांवच फली तुझे न छीवै कोय ।।
मैं निज नाम न जानया भला कहां ते होय ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहत है कि हे जीव ! तूं अगर प्रभु का नाम सिमरन नहीं करता तो तेरा जीवन एक काचं फली के समान है । जैसे काचं फली को छूने से शरीर में जलन पैदा होती है वैसे ही परमात्मा को भूलकर जीव में दूषन पैदा हो जाता है और कांच फली की भांति ही जीव को कोई छूना नही चाहेगा । हे जीव ! तुने निज नाम को नहीं जाना तों भला फिर तेरा कैसे भला हो सकता है ? भाव प्रभु के नाम के बिना जीव का जीवन व्यर्थ है ।
धन गुरुदेव जी

बेकार

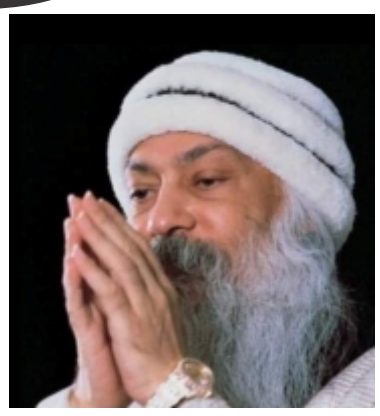

सुना है मैंने कि एक गांव में बडी बेकारी के दिन थे। अकाल पडा था और लोग बहुत मुश्किल में थे। एक सर्कस गुजर रहा था गांव से। स्कूल का एक मास्टर नौकरी से अलग कर दिया गया था। उसने सर्कस वालों से प्रार्थना की कि कोई काम मुझे दे दो। सर्कस के लोगों ने कहा कि सर्कस का तुम्हें कोई अनुभव नहीं है। उसने कहा, बहुत अनुभव है। स्कूल सिवाय सर्कस के और कुछ भी नहीं है। मुझे जगह दे दो। कोई और जगह तो न थी, लेकिन एक जगह सर्कस वालों ने खोज ली, उसे जगह दे दी गई। और काम यह था कि उसके शरीर पर शेर की खाल चढ़ा दी, पूरे शरीर पर; और उसे एक शेर का काम करना था। एक रस्सी पर उसे चलना था शेर की तरह।

चल जाता, कोई कठिनाई न आती। लेकिन जब वह पहले ही दिन बीच रस्सी पर था, तभी उसे दिखाई पडा कि उसके स्कूल के दस-पंद्रह लडके सर्कस देखने आए हैं और उसे गौर से देख रहे हैं। नर्वस हो गया। मास्टर लडकों को देखकर एकदम नर्वस हो जाते हैं। घबडा गया और गिर पडा। गिर पडा नीचे, जहां कि चार-आठ दूसरे शेर गुर्रा रहे थे, और चिल्ला रहे थे, और गरज रहे थे, और घूम रहे थे नीचे के कठघरे में। जब शेरों के बीच में घुसा, गिरा, तो घबडा गया। भूल गया कि मैं शेर हूं। याद आया कि मास्टर हूं। दोनों हाथ ऊंचे उठाकर चिल्लाया कि मरा, अब बचना मुश्किल है!

जनता उसके उस चमत्कार से उतनी चमत्कृत नहीं हुई थी, रस्सी पर चलने से, जितनी इससे चमत्कृत हुई कि शेर आदमी की तरह बोल रहा है दोनों हाथ उठाकर!

बाकी एक शेर, जो पास ही गुर्रा रहा था, उसने धीरे से कहा कि मास्टर, घबडा मत। तू क्या सोचता है, तू ही अकेला बेकार है गांव में? घबडा मत। तू अकेला ही थोडे बेकार है गांव में, और लोग भी बेकार हैं। वे जो चार शेर नीचे घूम रहे थे, वे भी आदमी ही थे!

हम सबकी हालत वैसी ही है। आप ही झूठा चेहरा लगाकर घूम रहे हैं, ऐसा नहीं है। आप जिससे बात कर रहे हैं, वह भी घूम रहा है। आप जिससे मिल रहे हैं, वह भी घूम रहा है। आप जिससे डर रहे हैं, वह भी घूम रहा है। आप जिसको डरा रहे हैं, वह भी घूम रहा है।

आप ही अकेले नहीं हैं, यह पूरा का पूरा समाज, चेहरों का समाज है। इतने चेहरों की जरूरत इसलिए पडती है कि हमें अपने पर कोई भरोसा नहीं। हम भीतर हैं ही नहीं। अगर हम इन चेहरों को छोड दें, तो हम पैर भी न उठा सकेंगे, एक शब्द न निकाल सकेंगे। क्योंकि भीतर कोई है तो नहीं मजबूती से खडा हुआ, कोई क्रिस्टलाइज्ड बीइंग, कोई युक्त आत्मा तो भीतर नहीं है। तो हमें सब पहले से तैयारी करनी पडती है।

गीता दर्शन (भाग-3) प्रवचन-085

चित्त बहुत चंचल है

इसे वश में करना मुश्किल है लेकिन प्रज्ञावान लोग इस पर काबू कर तीर बाण की तरह सीधा सरल कर देते हैं।

धम्मपदं -33. फन्दनं चपलं चित्त,दुरक्खं दुन्निवारयं।
उजु करोति मेधावी, उसुकारो व तेजन।।

चित्त चंचल है, चपल है। इसे एकाग्र करना और भटकने से रोकना बहुत मुश्किल है। किंतु मेधावी पुरुष (प्रज्ञावान मनुष्य) इसको उसी तरह सरल और सीधा कर लेता है जैसे बाण (तीर) बनाने वाला बाण को।

भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में चित्त (मन) के बारे में बहुत कहा गया है। तथागत कहते हैं कि मन ही मनुष्य की सारी प्रवृत्तियों का अगुआ है, सभी कर्मों का प्रधान है, सारे विचार चित्त से ही उत्पन्न है. हमारा दुख-सुख चित्त पर निर्भर करता है। मन पूर्वगामी है, प्रमुख है, मनोमय है। इसलिए चित्त के स्वभाव और जीवन में इसके महत्व के बारे में जानना बहुत जरूरी है। बुद्ध धम्म में चित्त के समान अन्य भाषाओं में ऐसा शब्द नहीं है अतः चित्त का सामान्य अर्थ मन, चेतना (mind) ही है।

चित्त का कोई रूप, आकार, ऊर्जा, वजन या स्थान नहीं होता है इसे सिर्फ अनुभव से जान सकते हैं। सुख-दुख, राग-द्वेष, क्रोध, मोह, लोभ, घृणा जैसे विकार और प्रेम, करूणा, दया, मैत्री आदि गुण चित्त के गुण हैं जिसे हम चैतसिक (mental states) कहते हैं।

चित्त यानी गहरा शांत समुद्र और हवा, तूफान से पैदा होने वाली लहरें, चैतसिक हैं, चित्त की वृतियां हैं। चित्त को आत्मा (soul) कहना गलत है क्योंकि बुद्ध धम्म में आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार नहीं किया है।

प्राकृतिक और स्वभाविक रूप से चित्त शांत व स्थिर रहता है जैसे समुद्र का पानी। लेकिन तेज हवा, तूफान से समुद्र के जल में छोटी, बड़ी खतरनाक लहरें उठती हैं उसी प्रकार बाहरी संसार के व्यक्तियों और वस्तुओं को देखकर चित्त में प्रतिक्रियाएं होती हैं, विचार पैदा होते हैं, मन, वाणी, शरीर से अच्छे-बुरे कर्म करते हैं। सांसारिक माहौल चित्त को स्थिर, शांत रहने नहीं देता, उकसाता है, भटकाता है। और धीरे-धीरे यह चित्त का स्वभाव ही बन जाता है।

मन क्षणिक है, चंचल है, चपल है और इसे वश में करना कठिन है, इसका निवारण कठिन है, इसे रोके रखना कठिन है। तथागत कहते हैं यह कोई दार्शनिक सिद्धांत नहीं है, यह तो प्राकृतिक सच्चाई है। इस सच्चाई को समझो और अपने अनुभव से जानो, पहचानो।

मेधावी, प्रज्ञावान व्यक्ति चित्त की इस चंचल, चपल, कुटिल, मुश्किल से वश में होने वाले स्वभाव को जानकर जैसे बाण बनाने वाला बाण को सीधा करता है, वैसे ही चित्त को एकाग्र कर, वश में कर शांत, स्थिर, साफ और सरल कर लेता है।

हर मनुष्य में वही क्षमता है जो तथागत में थी, बस उसे पहचानने और उपयोग में लेने की आवश्यकता है। मन भले ही चंचल, चपल है लेकिन मनुष्य अपने दृढ़ संकल्प और प्रयास से इसे काबू कर, मन के विकारों को दूर कर सुख शांति का जीवन प्राप्त कर सकता है।

सबका मंगल हो, सभी प्राणी सुखी हो
प्रस्तुतिःडॉ. एम एल परिहार, जयपुर

ऋद्धि-सिद्धि शक्ति, चमत्कार और करामात हमेशा रहने वाले नही : स्वामी ज्ञाननाथ

आज्ञाचक्र से नीचे के सभी चक्कर काल की विकट और प्रबल त्रिगुणात्मक माया के दायरे में : महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला। निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि आज्ञाचक्र से नीचे के सभी चक्कर काल की विकट और प्रबल त्रिगुणात्मक माया के दायरे में आते हैं। इन चक्करों से प्राप्त कोई भी ऋद्धि-सिद्धि शक्ति, चमत्कार और करामात हमेशा रहने वाले नही है। यह सभी चक्कर मायावयी और छलावा-भटकाव वाली शक्तियों वाले चक्र हैं। काल के चक्रों से प्राप्त शक्तियों साधक को दुनियावी जड और नाश्वान पदार्थ तो दे सकती हैं परंतु परम आनंद और मोक्ष-मुक्ति नही दे सकती। आज्ञाचक्र से नीचे के चक्करों से प्राप्त शक्ति हमेशा नही रहती बल्कि कुछ समय के बाद जाती रहती है और साधक फिर पहले वाली अवस्था में पंहुच जाता है। आत्मिक साधना-अराधना करने वाले साधक के लिए ऋद्धियां-सिद्धियां, करामात और चमत्कार सबसे बड़ी रूकावट हैं। इनको प्राप्त करने क बाद साधक ब्रह्मज्ञान की साधना नही कर सकता क्योंकि यह अपरा विद्या अपने जाल में साधक को बुरी तरह फंसा लेती है और वह जीवन भर इसी अपरा विद्या में ही उलझा रहता है। बाहरमुखि अनाप-शनाप कर्मकांड, अंधविश्वास और अज्ञानता को छोडकर साधक को सावधान और सचेत रहना चहिए और अपनी साधना की शुरूआत अज्ञाचक्र से ही करनी चाहिए। संत मार्ग में सही मायने में भक्ति अज्ञाचक्र से ही शुरू होती है जहां सब चक्करों की सीमाएं और दुनियावी अटकले समाप्त होती है बस यहीं से गुरूमत की शुरूआत होती है। सुरत-शब्द, ज्योति-नाद योग अध्यात्म मे सभी योग-युक्तियों का राजा है। वेदों शास्त्रों में इसी को अनाहत का मार्ग भी कहा जाता है। यह योग सर्वश्रेष्ठ और बिल्कुल प्राकृतिक है और इस जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार परमात्मा ने इसे स्वयं बनाया है। साधना

करते हुए साधक को अज्ञाचक्र से नीचे के नौ द्वारों से ध्यान समेटकर अज्ञाचक्र पर टिकाना चाहिए और नित्यप्रति साधना करनी चाहिए।

तीसरा संत समागम एवं भंडारा 27 नवम्बर को जनेसरों में

गजब हरियाणा न्यूज

इंद्री । डॉ भीमराव अंबेडकर उत्थान समिति जनेसरों,समस्त गांव व हल्कावासियों के द्वारा रविदासिया धर्म को समर्पित जगत गुरु श्री गुरु रविदास जी महाराज का तीसरा महान संत समागम एवं भंडारा दिन 27 नवम्बर (दिन रविवार) को सरकारी स्कूल जनेसरों,इंद्री जिला करनाल में आयोजित होगा। जिसमे मुख्यातिथि के रूप संत बीरसिंह हितकारी जी महाराज रंगपुर दरबार साहेब बुलंद शहर उत्तर प्रदेश की सरपरस्ती में श्रद्धा पूर्वक मनाया जाएगा। समागम में अध्यक्षता संत जैनदास हितकारी जी करेंगे। सुबह 9 बजे से अमृतवाणी के जाप प्रारंभ होंगे। 10 बजे सत्संग आरंभ होगा। आप सभी सादर आमंत्रित है।

GAJAB HARYANA

गजब ज्ञान

महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान हरियाणा

हरियाणा की स्थापना:1 नवम्बर 1966
हरियाणा का अर्थ:ईश्वर का निवास
राजधानी:चंडीगढ़
हरियाणा का कुल क्षेत्रफल : 44,212 वर्ग किलोमीटर
कुल जिलों की संख्या : 22
कुल जनसंख्या: 25,351,462
कुल साक्षरता: 75.55%
राज्य का लिंगानुपात: 879
लोकसभा सीटें : 10
विधानसभा सीट: 90
राज्यसभा सीट: 5
प्रथम मुख्यमंत्री :भगवत दयाल शर्मा
हरियाणा के प्रथम राज्यपाल : श्री धरम वीरा
वर्तमान मुख्यमंत्री : मनोहर लाल खट्टर
वर्तमान राज्यपाल : बंडारु दत्तात्रेय

आलेख

सिर पर मैला ढोने वाला समाज हिंदुओं का पूजनीय समाज है

– डॉ उमेश प्रताप वत्स

बुद्धिजीवी एवं स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा जहाँ एक ओर जाति व्यवस्था को लेकर जातियों में बंटे लोग एवं भारतीय सामाजिक परंपराओं की आलोचना होती रहती है वहीं दूसरी ओर दिन प्रतिदिन जातीय व्यवस्था और अधिक मजबूत होती जा रही है। वोट की राजनीति जातीय समीकरण के इस खेल से समाज को ओर अधिक जातियों में बांटने का कार्य कर रही है। अपने जातीय इतिहास को लेकर तथा महापुरुषों के गौरव को लेकर कोई संबंधित समाज जब सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ता है तो अन्य समाज के लिए किसी प्रकार का कोई खतरा उत्पन्न नहीं होता किंतु जब यही समाज जाति के नाम पर देश–धर्म के विरुद्ध देश विरोधी शक्तियों का सहयोग लेकर तथा अपने समाज का दुरुपयोग कर देश के विरुद्ध ही कुकृत्य में शामिल हो जाता है तो यह देश व समाज के लिए नासूर बन जाता है। वास्तव में कोई भी संपूर्ण जाति समाज नकारात्मक नहीं होता अपितु उस समाज के कुछ स्वयंभू ध्वजवाहक नेता अपनी आयातित विचारधारा से संबंधित जाति समाज की छवि नकारात्मक कर देते हैं।

जातीय व्यवस्था को लेकर जब भी चर्चा होती है तो कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों की जमात बिना अवसर गंवायें महात्मा मनु को कोसना व गालियां देना प्रारंभ कर देती है। कुछ अति उग्र लोग स्वर्ण जातियों से संबंधित समाज को भी मनुवादी कहकर समाज में वैमनस्य फैलाने का कार्य करते हैं। जिससे वास्तविक कारणों से ध्यान भटक जाता है। वास्तव में जहां एक ओर मनुस्मृति को समझने की आवश्यकता है वहीं जाति व्यवस्था को तब के और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। तब समाज को अनुशासन, मर्यादा में रखने के लिए तथा संस्कारित करने के लिए महात्मा मनु के अनुसार वर्ण व्यवस्था का महत्व था किंतु वर्तमान प्रगतिशील समाज में उस व्यवस्था की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कार्य से पहचानी जाने वाली व्यवस्था आज स्वयंमेव ही बन चुकी है। आज किसी भी जाति का व्यक्ति पढ़ाने का कार्य करे तो गुरु जी बुलाया जाता है। कोई भी जाति का कथावाचक आदरणीय है। कोई भी जाति का फौजी हमारा वीर सैनिक है। कोई भी फर्नीचर कार्य करने वाला कारपेंटर है, कोई भी मैकेनिक कार्य करने वाला मिस्त्री, इंजीनियर है। कोई भी डॉक्टरी पेशे वाला वैद्य है। अत: मनु जी भी यही चाहते थे कि जाति जन्म से नहीं कर्म से पहचानी जाये।

कबीर जी ने कहा भी है –

ऊंचे कुल का जनमिया, करनी ऊंची ना होए।
स्वर्ण कलश सुरा भरा साधु निंदा होए।।

सत्रहवीं शताब्दी में व्यापारियों के वेश में जब अंग्रेजों ने हिन्दुस्थान में प्रवेश किया तब इन्हें समझकर इनका विरोध करने की बजाय हमारी रियासतों के राजा साहिब इन पर अपनी योग्यता सिद्ध कर इनसे मित्रता को आतुर रहते थे। आने वाले सौ वर्षों में इन्होंने भारतीय समाज, भारत की ग्रामीण संस्कृति, परम्पराओं, गाँवों की व्यवस्था और शक्ति का बारीकियों से अध्ययन किया तब ब्रिटिश सरकार ने इस शक्ति को समझने के लिए और इसको नष्ट करने के लिए अपने बहुत ही बुद्धिमान, विद्वान, लॉर्ड टॉमस बैबिंग्टन मैकॉले को भेजा। ब्रिटेन का यह लार्ड मैकाले राजनीतिज्ञ के साथ–साथ कवि, इतिहासकार भी था। निबन्धकार और समीक्षक के रूप मे उसने ब्रिटिश इतिहास पर जमकर लिखा। सन् 1834 से 1838 तक वह भारत की सुप्रीम काउंसिल में लॉ मेंबर तथा लॉ कमिशन का प्रधान रहा। प्रसिद्ध दंडविधान ग्रंथ 'दी इंडियन पीनल कोड' की पांडुलिपि इसी ने तैयार की थी।

लार्ड मैकाले भारत को समझने के लिए भारत के गाँव–गाँव गये। इसने भारतीय ग्रामीण व्यवस्था का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार की कि, भारत का हर गाँव अपने आप में एक लघु भारत है। वह पूर्ण रूप से स्वावलंबी है। उसे किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। भारत के ग्रामीण अधिकतम कृषि कार्य से जुड़े हैं। कुछ कृषक लोग खेती करते हैं, कुछ इनके लिए औजार तैयार करते हैं जिन्हें लोहार कहा जाता है, कुछ हल, सुहागा, घर में प्रयुक्त होने वाले लकड़ी का सामान बनाते हैं जिन्हें तरखान, धीमान या बाहड़ी कहते हैं। कोई मिट्टी के बर्तन, कुल्हड़ तैयार करते हैं जिन्हें कुम्हार कहते हैं, इनकी फसल खरीदने के लिए, विवाह आदि सुख–दुख में बहुत ही कम सूद पर धन उपलब्ध कराने के लिए गांव में ही कुछ महाजन, साहूकार है। बाल, नाखून काटने के लिए नाई, भारी कपड़े धोने के लिए धोबी, खेत में काम करने के लिए खेतीहर मजदूर, महिलाओं के गहने बनाने के लिए सुनार, कपड़े सिलने के लिए दर्जी, बीमार हो जाने पर चिकित्सा के लिए चिकित्सक के रूप में वैध, पढ़ाई–लिखाई व पूजा–अर्चना के लिए गुरुजी अथवा ब्राह्मण। सभी एक दूसरे पर निर्भर। करंसी के रूप में धान का ही प्रयोग होता है अर्थात् काम के बदले धान। साहूकार को धान देने से गहने आदि के लिए राशि मिल जाती है। यह परस्पर सहयोग बहुत ही सुचारू रूप से चलता है। ऐसी सुंदर व्यवस्था तो विश्व के किसी देश में भी नहीं है जैसी यहां ग्रामीण स्तर पर है। ऐसी सुदृढ़ व्यवस्था को तोड़ना बहुत ही मुश्किल कार्य है। इस व्यवस्था को छिन्न–भिन्न करने के लिए यहां कि शिक्षा को मूल रूप से ही बदलने की आवश्यकता है और तब लार्ड मैकाले ने गवर्नर के समक्ष प्रस्ताव रखा।

भारत के प्राच्यवादी वास्तविक साहित्य को जड़ से समाप्त कर पाश्चात्यवादी शिक्षा देने की आवश्यकता है। इसकी कानूनी सलाह के लिए 2 फरवरी, 1835 को लॉर्ड मैकाले ने अपना प्रसिद्ध स्मरण–पत्र गवर्नर जनरल की परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसे गवर्नर विलियम बैंटिक ने स्वीकार करते हुए अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम, 1835 पारित किया। इसने भारत में आधुनिक ब्रिटिश शिक्षा की नींव रखी। तभी से लॉर्ड मैकाले को भारतीय शिक्षा का जनक माना जाता है।

इस स्मरण–पत्र से भारत को कई फायदे और नुकसान भी हुए। मैकाले नीति ने काले अंग्रेज अर्थात् शिक्षा, संस्कृति से अंग्रेज जबकि तन से भारतीय। इस स्मरणपत्र के अनुसार शिक्षा के ढांचे को पूर्ण रूप से बदलने के साथ–साथ ग्रामीण व्यवस्था को तोड़ने के लिए किसानों पर लगान के रूप में भारी टैक्स लगा दिये। सहस्त्रों वर्षों की समृद्ध परंपराओं का हत्यारा अपराधी मैकाले जिसे पूर्णरूप से नकारा जाना चाहिए किंतु बुद्धिजीवी समाज मैकाले की बजाय मनु को समाज का दुश्मन मानता है।

मनु के घोर आलोचक मैकाले के समर्थक ये लोग महर्षि बाल्मीकि के अनुयायी समाज की भी अनदेखी करते हैं जो आज 21 वीं शताब्दी में भी मैला ढोने पर विवश है। समझने की बात यह है कि क्या यह समाज मनु के समय से ही मैला ढोने का दूषित कार्य करता था या फिर चंद्रगुप्त, चक्रवर्ती सम्राट अशोक, विक्रमादित्य अथवा राजा भोज के समय से मैला ढ़ोता था। नहीं बिल्कुल नहीं, यह समाज कभी मैला नहीं ढ़ोता था।

जब मीर कासिम के भारत घुसपैठ के बाद अरब के लुटेरों को धन–धान्य से भरपूर भारत की राह मिल गई और उन्होंने भारत को लूटना प्रारंभ कर दिया तब सुख–सुविधाओं में सुस्त व निष्क्रिय हो चुका भारतीय समाज पूर्ण रूप से इन आक्रांताओं का मुकाबला नहीं कर पाया। कुछ स्वाभिमानी राजा लड़ते रहे और अधिकतर तमाशबीन बने रहें। अरब के ये भूखे–नंगे, खुंखार हो चुके राजा भारतीय समाज पर कहर ढाने लगे। तब तक अरब में तेल की खोज नहीं हुई थी और मरुस्थलीय होने के कारण फसल भी नहीं होती थी। अभावग्रस्त होने के कारण ये लोग मेहनती, निर्दयी, लुटेरे व खुंखार स्वभाव के थे। वहां का आम समाज बेरोजगारी व निठल्लेपन के कारण इन बादशाहों की सेना में आसानी से भर्ती होकर व बेघर होकर इनके साथ कूच कर लेता था। लाखों की संख्या में बड़ी सेना व बारूद के दम पर इन्होंने सीमावर्ती प्रदेशों

पर कहर ढाना प्रारंभ किया। इनके देखा–देखी इरान, तुर्की, अफगान आदि मध्य एशिया के कई देशों से आकर आक्रमण किया। बाबर के बाद उसके वंश का प्रभूत्व रहा और आगे चलकर औरंगजेब ने पूरे हिंदुस्थान को मुस्लिमस्तान बनाने का कुचक्र चलाया। ऐसे में जहां एक ओर स्वराज्य के ध्वजवाहक शिवाजी ने दक्षिण में प्रवेश हेतु इनको बढ़ने से रोका वहीं उत्तर–भारत में बाल्मिकी समाज ने इनकी राह रोकने का दुस्साहस किया। जब मुस्लिमस्तान के सपने को अमली जामा पहनाने के लिए हिंदुओं को तलवार के जोर पर धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाने हेतु गांव–गांव सैनिकों को भेजा गया तब बाल्मिकी समाज में पंचायते हुई। बादशाह के सैनिकों को अपनी जान पर खेलकर गांवों में घुसने से रोका गया। फलस्वरूप बादशाह के सैनिकों ने बाल्मिकी समाज को निरुत्साहित करने के लिए तथा शक्तिहीन करने के लिए उनकी कन्याओं का अपहरण करना शुरु कर दिया और शर्त रखी कि या तो मुसलमान हो जाओ या फिर इस जलालत को भुगतो। तब बाल्मिकी समाज ने पंचायत कर सामूहिक निर्णय लिया कि बाल्मिकी सर्वसमाज अपने घर के मुखद्वार पर सुअर पालना प्रारंभ करेगा ताकि मुस्लिम सैनिक हमारे घरों में प्रवेश न कर पायें और इस तरह इस बुद्धिमान, वीर समाज ने अपने परिवारों की, बहन–बेटियों की रक्षा की। जो कि गांव में आज भी दिखाई देती है। इन्हें देखकर अन्य समाज में भी रक्त का संचार हुआ। वे भी यदा–कदा छुटपुट विरोध जताने लगे। बाल्मिकी समाज के इस कृत्य से मुस्लिम सेनापति, दरबारी चिढ़ गये और उन्हें चुनौती दी कि वे या तो मुस्लिम हो जाये या फिर सिर कटाने के लिए तैयार हो जायें। बहादुर समाज किसी भी धमकी से न घबराकर संघर्ष के लिए तैयार हो गया। तब बादशाह के कहने पर दरबारियों ने बाल्मिकी समाज का मनोबल तोड़ने के लिए शर्त रखी कि या तो धर्म परिवर्तन कर लो या फिर अपनी स्त्रियों से हमारे पाकखाने (खुड्डियां) साफ करवाओ तथा पुरुष समाज शाही भवनों में सफाई का कार्य करें। हिंदू धर्म में

आस्था रखने वाले इन वीर लोगों ने सफाई करना स्वीकार किया किंतु धर्म परिवर्तन नहीं। यद्यपि तब हिंदू समाज में सभी व्यक्ति घर में न जाकर गाँव की फिरनी के बाहर ही शौचादि के लिए जाते थे। महिलाओं के लिए अलग क्षेत्र होता था और पुरुष दूर जंगल में जाते थे। मुस्लिम अक्रांताओ के आने के बाद उनकी रानियां, महल में रहने वाली दासियां, मंत्री मंडल, दरबारियों की बेगम आदि शौचादि के लिए बाहर न जाकर निवास स्थान पर बने पाकखानों में ही जाती थी और सजा के रूप में गुलामों, अपराधियों से मैला उठाने का कार्य लिया जाता था। हमारे समाज के इस आदर्श समाज बाल्मीकि समाज से गुलामों, अपराधियों की तरह कार्य कराया गया।

मुस्लिम सत्ता के बाद अंग्रेजी शासन काल में भी ये लोग सफाई करते रहें अपितु अब देश आजाद होने के बाद जब न मुस्लिम बादशाह है और ना ही अंग्रेजी सरकार किंतु फिर भी यह धर्म अडिग समाज आज भी मैला उठाने का कार्य कर रहा है। 75 वर्षों में आज भी इनकी दशा में उचित सुधार नहीं हो पाया। जागरुकता के अभाव के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में उदासीन यह समाज आज भी निसंदेह विकास से दूर है किंतु अपने धर्म के उतने ही निकट है। वास्तव में यह हर हिंदू के लिए पूजनीय समाज है। इस समाज का विकास भारत का विकास है।

डॉ उमेश प्रताप वत्स
यमुनानगर, हरियाणा

तनातनी भी दिखी, चुनाव में विजेताओं के घर जीत का जश्न

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र। पंचायती राज चुनाव में पंच व सरपंच चुने गए विजेताओं ने देर रात तक जीत का जश्न मनाया। विजेताओं को उनके समर्थकों एवं ग्रामीणों ने नोटों व फूल मालाओं से लाद दिया। लोगों ने मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। कई गांवो के अंदर ग्रामीणों ने विजेता, उनके परिवार के बुजूर्गों, महिलाओं को भी नोटों की मालाएं पहनाकर सम्मान दिया। कुछ गांवों में बड़े कम वोट के अंदर से गांव के चौधरी भी बने। कई गांवों में पूर्व सरपंचों को इस बार चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा और कई सीटो पर आमने सामने उम्मीदवारों में कांटे की टक्कर रही। कुछ गांवों में दो पक्षों में तनातनी भी दिखी। चुनाव में विजेताओं के घर जीत का जश्न देर रात तक चलता रहा।

इंद्रजीत कौर
सरपंच, शंकर कालोनी

दीपक मेहरा
सरपंच, अटलनगर

राजेश कुमार
सरपंच, डेरा पूर्बिया

सिरसमा से सुनीता, बीड मथाना से देवीदयाल, बिहोली से आशा रानी, बजीदपुर से विक्रम सिंह, मथाना से अंजना देवी।

पट्टी किशनपुरा के ग्रामीणों ने संजीव कुमार पर विश्वास जताते हुए उन्हें दोबारा सरपंच चुन लिया है।

खंड पिपली में सभी 54 ग्राम पंचायतों में पंच व सरपंच पदों का मतदान शांतिपूर्ण रहा। सुबह सात बजे ही मतदाताओं ने मतदान के लिए पहुंचना शुरु कर दिया और शाम तक वोटर लाइने मे लगे रहे।

पिपली खंड में गठित तीन नई ग्राम पंचायतों के ग्रामीणो ने उत्साह के साथ मतदान किया। जिला सबसे ज्यादा पिपली खंड में तीन नई पंचायतों का गठन हुआ था। जिनमे से सरपंच पद के लिए शंकर कालोनी से अनुसूचित जाति महिला इंद्रजीत कौर और अटल नगर पुरुष अनुसूचित जाति की आरक्षित सीट से दीपक मेहरा ने जीत दर्ज की। तीसरी नई पंचायत डेरा पुरबिया सामान्य सीट पुरुष के लिए थी जिसमे राजेश कुमार को जीत मिली। बता दें शंकर कालोनी में पहले सर्वसम्मति से शालू को सरपंच चुन लिया गया था लेकिन बाद में किसी बात पर सहमति टूट गई थी। चुनाव हुआ और दोनों में कांटे की टक्कर रही। 25 वोटों से इंद्रजीत कौर की जीत हुई।

पिपली ब्लॉक के 84 बूथों के 64360 मतों में से 54912 मतदाताओं ने मतदान किया। खंड मतदान प्रतिशत 85.3 रहा।

डेरा बाबा लालदास कपाल मोचन में आयोजित हुआ रूहानी सत्संग

गजब हरियाणा न्यूज

यमुनानगर, रविवार को डेरा बाबा लालदास कपालमोचन यमुनानगर मे परमपूजनीय राम दयाल जी महाराज की बरसी समागम मे विशाल रूहानी सत्संग संत सम्मेलन और ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस विशाल संत सम्मेलन समारोह की अध्यक्षता श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ, गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष, निराकारी जागृति मिशन एंव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन भारत ने की और मुख्य अतिथि के रूप मे पठानकोट से परमपूजनीय श्री 108 संत गुरदीप गिरी जी महाराज शरीक हुए। इसके इलावा संत वीरसिंह हितकरी, संत सूरजभान, संत फकीर दास, संत सुंदरानंद और अन्य संत महात्मा कार्यक्रम मे पधारे।

यारों उठो , भागों दोड़ो मने से पहले जीना नहीं छोड़ा एक शाम बुजर्गों के नाम प्रस्तुत की मिले सुर हमारा तुम्हारा ने

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । करनाल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन तथा सारिका भाटिया मैमेारियल चैरिटेबल टस्ट द्वारा संयुक्त रूप से ओपीएस विद्या मंदिर में एक शाम सीनियर सिटीजन के नाम का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर सिटीजन तथा युवाओं ने मैलोडी गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि करनाल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के प्रधान एस सी बोहरा तथा एचएसआईडीसी के एस्टेट अफसर वनीत भाटिया थे। कार्यक्रम में बुजुर्गों का उत्साह देखते बन रहा था। कार्यक्रम में यारों उठो भागो दोड़ो मरने से पहले जीना ना छोड़ो की तर्ज पर युवाओं से अधिक बुजुर्गों में संगीत के प्रति समर्पण अधिक दिख रहा था। सीनियर सिटीजन और उद्योगपति राज बजाज ने यह अपना दिल तो आवरा गा कर अपनी धाक जमाई। एससी बोहा ने कहा कि संगीत से आत्मिक शांति मिलती हैं। इस अवसर पर वनीत भाटिया, राजेश भाटिया, सोनिया चौपड़ा,कपिल भाटिया,विनय छावड़ा, अनीता शर्मा, राजीच मल्होत्रा, अनिल भगत,

प्रवीण मित्तल, सुनील अरोड़ा, ने सदाबहार गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सीनियर सिटीजन ने सभी को आगे बढने़ की सलाह दी। इस अवसर पर सारिका भाटिया चैरिटेवल ट्रस्ट के कार्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्रीमती संषमा बंसल, डा. बीडी दीक्षित, प्रो. राजेंद्र कुमार, डा. पीसी गुप्ता, डीबी लूथरा, के बी कंवल, नरेश कुमार बत्रा, के सी शर्मा, भूषण गोयल,श्रीमती इंद्र खुराना, राज रानी बिज, डीपी ठाकुर, आर सी छिकारा, डी एन अरोडा, एन एल अरोड़ा, सुधीर कुमार मलिक, राधे श्याम भाटिया आदि उपस्थित थे।

डायबिटीज से बचाव के लिए बदलें दिनचर्या : डॉ अनेजा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र । वर्ल्ड डायबिटीज दिवस एवं चिल्ड्रन डे के अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्र में गैपिओ सदस्य एवं मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर आशीष अनेजा के द्वारा निःशुल्क कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में लगभग 250 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस कैंप में सभी टेस्ट जिनमें, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, न्यूरोपैथी, थायराइड, किडनी फंक्शन, ईसीजी, यूरिक एसिड, बीएमडी आदि शामिल है, कि टेस्ट निशुल्क किए गए तथा सभी दवाइयां भी निशुल्क वितरित की गई।

डॉ आशीष अनेजा ने बताया कि आजकल मौसम परिवर्तन के कारण लोगों में पेट दर्द, डेंगू, टाइफाइड, वायरल फीवर, खांसी व जुकाम की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और इससे बचने के लिए ठंडी चीजों से परहेज करें और गर्म कपड़ों का प्रयोग करें। उन्होंने मरीजों में डायबिटीज की बढ़ती हुई समस्या को लेकर लोगों को जागरूक किया और बताया कि डायबिटीज का मुख्य कारण लोगों की दिनचर्या है। जैसे सुबह-शाम सैर नहीं करना, जंक फूड खाना इत्यादि, मीठा कम या ज्यादा खाना, शक्कर से भरी और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट वाला भोजन करने से बचें। एक्टिव रहें, एक्सरसाइज करें, सुबह-शाम टहलने जाएं। पानी ज्यादा पीएं। सोडा वाले ड्रिंक्स पीने से बचें। वजन घटाएं और नियंत्रण में रखें। स्मोकिंग और अल्कोहल लेने से परहेज करें।

उन्होंने कहा कि हाई फाइबर भोजन खाएं, प्रोटीन का सेवन भी अधिक मात्रा में करें। विटामिन डी की कमी ना होने दें। क्योंकि, विटामिन डी की कमी से डायबिटीज का खतरा बढ़ता है। हमें प्रतिदिन लगभग 30 मिनट की पैदल सैर करना चाहिए और इसे अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाना चाहिए। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक अंकेश्वर प्रकाश, डॉ अंकित, नरेन्द्र, डॉ फकीर चन्द, डॉ तक्षक, डॉ बब्बर, डॉ चहल, रुपेश, अवतार सिंह, संतोष, सोनिया, अशोक, अनिल, वरुण, सतीश, योगेश,नीरज, सिद्धार्थ, दीपचंद, अवतार सिंह, रीना, जय शंकर, अमित, प्रवीन, गुरुदेव सिंह, त्रिवेनी इत्यादि ने सहयोग दिया।

किसी मतदाता के नाम में कोई त्रुटि है तो 8 दिसंबर दाखिल करें

गजब हरियाणा न्यूज/अमित

इन्द्री । इन्द्री विधानसभा चुनाव क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम इंद्री राजेश पुनिया ने बताया कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 के तहत निर्वाचक नामावली तैयार हो गई है। इसकी एक प्रति कार्यालय समय के दौरान एसडीएम कार्यालय इंद्री, उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, मतदान क्षेत्र से संबंधित पटवारी के कार्यालय, संबंधित सचिव नगर पालिका, संबंधित कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, संबंधित तहसीलदार व उप तहसीलदार कार्यालय, निर्वाचित ग्रामसभा/ नगर परिषद/ नगर पालिका के सदस्य सभी पंचायत घरों तथा संबंधित डाकघरों में निरीक्षण के लिए उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2023 को निर्वाचन नियमावली के अनुसार क्वालीफाइंग तिथि मानते हुए यदि किसी मतदाता के नाम में कोई त्रुटि है तो वह इस बारे 8 दिसंबर या उससे पूर्व प्रारूप से 6, 7, 8 में से जो भी समुचित हो उसका प्रारूप दाखिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे दावे व आपतियां एसडीएम कार्यालय इंद्री में 9 नवंबर से 8 दिसंबर तक सभी कार्य दिवस में संबंधित पटवारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार राजस्व, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, सचिव नगरपालिका, मतदान केंद्र पर नियुक्त नामोदिष्ट अधिकारी के समक्ष 19 नवम्बर शनिवार व 20 नवंबर रविवार तथा 3 दिसम्बर शनिवार व 4 दिसंबर रविवार को भी प्रात:9 से सायं 5 बजे तक पेश कर सकते हैं या डाक द्वारा भी भेज सकते हैं।

धर्मजीवी बीएड कालेज के नए सत्र का शुभारंभ हुआ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र । धर्मजीवी बीएड कालेज में मंगलवार को नए सत्र की शुरुआत हवन के साथ हुई। कालेज प्रेजिडेंट विजय सभ्रवाल और सचिव शशि सभ्रवाल ने आहुति डालकर हवन का शुभारंभ किया। नए विद्यार्थियों ने भी हवन में आहुति डाली। इसके बाद विद्यार्थियों का परिचय लिया गया और विद्यार्थियों को नए सत्र के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर गांव बगथला के पूर्व सरपंच जसविंद्र भी मौजूद रहे।

सचिव शशि सभ्रवाल ने कहा कि किसी भी इमारत की नींव उस इमारत को मजबूत बनाती है। ठीक इसी प्रकार किसी भी व्यक्ति का जीवन शिक्षा ही बनाती है। इसलिए भावी शिक्षकों के लिए जरूरी है कि वह किसी भी विषय को हल्के में न लेकर उस पर गहनता से विचार करके उसका अनुसरण करें। बीएड करने के बाद उनके कंधों पर बच्चों को शिक्षा देने का दारोम्दार होता है। इसलिए बच्चों की नींव मजबूत हो इसका दायित्व भी शिक्षकों के कंधे पर होता है और आज का विद्यार्थी कल का भविष्य होगा। जरूरी है कि विद्यार्थियों को ज्ञान देने वाले शिक्षक भी ज्ञान अर्जित करने वाले हों।

उन्होंने भावी शिक्षकों को अपनी पूरी तन्मयता के साथ शिक्षा अर्जित करने की शिक्षा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। शिक्षक के दो बोल किसी की भी जिंदगी को बदल सकते हैं। संस्था सचिव शशि सभ्रवाल ने कहा कि धर्मजीवी संस्थान ने ग्रामीण क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थान खोलकर वहां की बेटियों को शिक्षा देने का जो लक्ष्य उठाया था उसे पूरा करने में बहुत हद तक सफल रहा है। साथ ही आगे भी धर्मजीवी संस्था शिक्षा का दीपक संसार को दिखाता रहेगा। इस अवसर पर कालेज प्रिंसिपल डा. शालिनी राजपूत, डा. सुदेश तनेजा, डा. मीनाक्षी शर्मा, डा. प्रीति, सुमित शर्मा, शिवम, काजल और विद्यार्थी मौजूद रहे।

सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र में बच्चों ने मनाया चिल्ड्रन-डे

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र । सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र ने चिल्ड्रन डे धूमधाम से मनाया। सेंटर में बच्चों ने अलग-अलग सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर चिल्ड्रन डे मनाया। सेंटर इंचार्ज अनु ललित ने सभी बच्चों को चिल्ड्रन डे की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि 14 नवम्बर को पं. नेहरु का जन्म दिवस होने के कारण, हर साल इसी दिन मनाया जाता है। उनका जन्मदिन बाल दिवस के रुप में मनाने के लिए बच्चों के प्रति उनके प्यार, लगाव और स्नेह को देखने के कारण चुना गया। वह लंबें समय तक बच्चों के साथ खेलना और बात करना पसंद करते थे। वह पूरे जीवनभर बच्चों से घिरे रहना चाहते थे। सदस्य जितेंद्र अरोड़ा ने बताया कि पंडित जवाहर लाल नेहरू की 131वीं जयंती के मौके पर हम सभी अपने प्यारे पहले प्रधानमंत्री को याद करते हैं। पंडित नेहरू का योगदान भारत की अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति से लेकर आजाद भारत के विकास के लिए सभी पहलुओं में रहा है। पंडित नेहरू का बच्चों के प्रति विशेष लगाव के चलते वे छात्र-छात्राओं में काफी लोकप्रिय थे, इसलिए बच्चें उन्हें चाचा नेहरू बुलाते थे। पंडित जी कहते थे, बच्चे बगीचे की कली की तरह होते हैं जिन्हें अच्छी देखभाल की जरूरत होती क्योंकि वे देश का भविष्य और कल के नागरिक हैं।

बजीदपुर में सामान्य सीट से अनुसूचित जाति प्रत्याशी विक्रम सिंह की जीत

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । खंड का गांव बजीदपुर जिले में एक अलग ही पहचान रखता है। पिछले 35 वर्षों में एक बार अनुसूचित जाति के लिए सरपंच पद आरक्षित हुआ। दूसरी बार सामान्य सीट पर अनुसूचित जाति के प्रत्याशी विक्रम सिंह की 132 मतों से जीत हुई है। पिछली पंचायत को सर्वसम्मति से चुन लिया गया था लेकिन अबकी बार सहमति नही बन पाई। गांव में कुल 1328 वोट हैं जिनमे से करीब 400 वोट अनुसूचित जाति की हैं। चुनाव शांतिपूर्ण हुआ। गांव में भाईचारा कायम रहता है।

नवनिर्वाचित सरपंच विक्रम सिंह ने कहा की मुझे सभी गांववासियों का भरपूर सहयोग मिला इसके लिए में सभी का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होने कहा की में गांव के सद्भाव सौहार्द बनाने के लिए हर वर्ग को साथ लेकर चलूंगा, मेरा गांव में शिक्षा,चिकित्सा, पुस्तकालय, खेलों व युवाओं को रोजगार के

अवसर पैदा करने का प्रयास रहेगा। गांव में विवाह शादियों के लिए एक पैलेस व डॉ. अंबेडकर भवन बनवाने का प्रयास रहेगा।

गांव ईशरहेड़ी में युवा गुरदीप सिंह बने सरपंच, गांव धनानी में सुखश्याम बने सरपंच

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । ग्राम पंचायत चुनाव में गांव ईशरहेड़ी के युवा सरपंच गुरदीप सिंह के द्वारा अपने प्रतिद्वंधी को 335 वोट से हराकर जीत हासिल की। नवनियुक्त सरपंच गुरदीप सिंह ने कहा कि गांव ने जो जिम्मेवारी मुझे सौपी है उसे पूरी निष्ठा व इमानदारी से निभाऊंगा व गांव में अधिक से अधिक विकास कार्य करवाए जाएगें। वहीं गांव धनानी में सुखश्याम ने अपने विपक्षी विरेद्र सिंह को 186 वोट से हराकर सरपंच पद पर कब्जा किया। इस मौके पर नवनियुक्त सरपंच सुखश्याम का ग्रामीणों ने जोरदार अभिन्नदन किया। इस मौके पर नवनियुक्त सरपंच सुखश्याम ने कहा कि इस जीत के लिए सभी ग्रामीणों का अभारी हूं। उन्होनें कहा कि मेरा मुख्य लक्ष्य गांव में विकास कार्य करवाना है और गांव में अधिक से अधिक विकास कार्य करवाए जाएगें। उन्होंने कहा कि सबसे पहले गांव में पैलेस बनवाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव में साफ सफाई का विषेश ध्यान रखा जाएगा।

लोगों की शिकायत हैं की ध्यान नहीं लगता : स्वामी बीर सिंह हितकारी
कहा : गुरु महाराज जी के चरणों में सच्चे मन से पुष्प अर्पण करके देखो

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल

यमुनानगर । श्री 108 संत बीर सिंह हितकारी जी महाराज ने गुरु रविदास जी महाराज की वाणी का उच्चारण करते हुए कहा 'मोहे ना बिसारो मैं जन तेरा'

लोगों की शिकायतें हैं की ध्यान नहीं लग पाता सिमरन में मन नहीं लगता है मैं उन सभी से निवेदन करना चाहूंगा की महाराज जी के चरणों में सच्चे मन से पुष्प अर्पण करके देखो , सच्चे मन से लगन लगा के देखो 'तन मन अरपऊ फूल चराऊ, तन मन धन संतन पर वारूं' । हमें तन के साथ साथ मन को भी अर्पण करना होगा लेकिन देखने में आ रहा है की हम तन तो अर्पण कर रहे हैं लेकिन हमारे मन में वो ताकत नहीं है जो यहां ठहराव कर सके । वे रविवार को श्री गुरु रविदास आश्रम दयालगढ़ यमुनानगर में श्रद्धालु श्रद्धालुओं को अमृतमई वचनों से निहाल कर रहे थे। उन्होंने कहा की हमारे संतों ने बहुत मेहनत की है इसी वजह से हम आज यहां बैठे हुए है इक्ठे हुए है। आज हमें जो भी मिल रहा है वो गुरुजी का दिया हुआ है ।

किसी जिज्ञासु ने पूछा, 'गुरुजी को पाने का सूत्र क्या है ?' जैसा कि गुरुजी ने अपनी वाणी में साफ साफ कहा है ' संत तुझी तन संगत प्राण,सतगुर गिआन जानै संत देवादेव ' आज जो संगत पंडाल में बैठी है वो भी एक प्रमाण है सन्तों की मौजूदगी का। बिना संतों के पंडाल का कोई फायदा नही बिना संगत के बिना संतों का कोई अस्तित्व नहीं । महान संतों और संगत के चरण जिस नगर में पड़ जाएं वो धरती निहाल हो जाती है। हमें सतगुरु रविदास जी के शाश्वत ज्ञान को अंतकरण तक ले जाने चाहिए। हमारा आचरण संतों जैसा होना चाहिए हमें अपने मन को उस परम परमात्मा बाजीगर से मिलाना चाहिए। 'रविदास बने सो जाने सो जान संत अनंत है अंतर नाहि' सतगुरू जी कहते है की संत और परमात्मा में कोई अंतर नहीं है।

पांचवे मूर्ति स्थापना दिवस पर दयालगढ़ में बरसी गुरु की रहमत

श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा

श्री गुरु रविदास आश्रम दयालगढ़ यमुनानगर में 13 नवम्बर (दिन रविवार) को

श्री 108 संत बीर सिंह हितकारी जी महाराज की सरपरस्ती में पांचवां मूर्ति स्थापना दिवस बनाया गया। श्री 108 संत बीर सिंह हितकारी जी महाराज का डेरा दयालगढ़ में पहुंचने पर जैन दास हितकारी जी महाराज ने श्रद्धालुओं सहित पुष्पवर्षा और डोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया। दयालगढ़ में जो बोले सो निर्भय श्री गुरु रविदास जी महाराज की जय और जय गुरुदेव - धन गुरुदेव के जयकारों से गूंज उठा। जहां पर श्री गुरु रविदास जी महाराज की रहमत बरस रही थी।

दीप प्रज्वलित देवीदयाल बैंक मैनेजर पंचकुला, ध्वजारोहण श्रीमती रेशों रानी जमीवगढ़ पंजाब ने किया, कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा

स्कूल की बेटियों ने दी गुरु रविदास, मीरा बाई व डॉ अंबेडकर के भजनों पर सुंदर प्रस्तुति

बेटियों ने मीरा बाई के भजन ' रंग दई ए गुरुआं ने मेरी चुंदड़ी ' कांशी वाले दे द्वारे अगे जा के माए नी मेनू नच लेंन दे 'संविधान के बारे में हम लोगों को बताएंगे - क्या क्या हैं अधिकार हमारे लोगों को समझाना है।' पर अपनी प्रस्तुति देकर संगत को झूमने पर मजबूर किया।

कार्यक्रम में पधारे संतजनों ने दिया श्रद्धालुओं को गुरु जी का संदेश

संत शिरोमणि गुरु रविदास आश्रम फर्कपुर के महंत आचार्य कंवरपाल सिंह ब्रह्मचारी और श्री गुरु रविदास लाडवा दरबार साहेब से संत गुरपाल दास, संत मान दास, संत विकास दास उगाला, संत गुरप्रशाद कलायत, संत सूरजभान नालागढ़, संत सोमदास तंदवाली, संत धर्मेंद्राचार्य भिवानी, संत रामनाथ जुड्डा जाटान, संत रामेश्वर दास गधौला,संत मिश्रा दास, संत दयालदास रेत गढ़, संत कोकादास बसंत पुर ने भी श्रद्धालुओं को गुरु रविदास जी महाराज की विचारधारा से जोड़ा।

मुझे पारिवारिक सनेह व प्यार मिलता : विरेंद्र गुप्ता

मुख्यातिथि वीरेंद्र गुप्ता प्रसिद्ध उद्योगपति एवं संपादक रणजय भारत सेकुलर ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा की यहां आने पर मुझे पारिवारिक सनेह व प्यार मिलता है। में सौभाग्यशाली हूं जो आज इस पावन अवसर पर मुझे संत महात्माओं के दर्शन करने का मौका मिला। अगर किसी कारणवस कार्यक्रम में न पहुंच सकूं तो अपने आपको अधूरा महसूस करता हूं।

कार्यक्रम का जीएच वर्ल्ड टीवी पर हुआ लाईव टेलीकास्ट

गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा मौजूद रहे सम्पूर्ण कार्यक्रम को गजब हरियाणा न्यूज के धार्मिक फेसबुक पेज पर लाईव टेलीकास्ट किया। यह कार्यक्रम आप जीएच वर्ल्ड टीवी(Gh World Tv) यूट्यूब चैनल पर भी देख सकते हो ।

कार्यक्रम के आयोजक संत जैनदास हितकारी जी महाराज ने आए हुए सभी संत महात्माओं,संस्थाओं के प्रतिनिधियों, सहयोगियों का सम्मान किया और कार्यक्रम को सफल बनाने पर आभार व्यक्त किया

ईस कार्यक्रम में सूरत पाल काबूलपुर, रमेश दास सिलिकलां,सरपंच कृष्णा देवी घेसपुर, दर्शनलाल हड़तान, बिवला देवी जगाधरी, दुनीचंद बाल्टी, मेहरचंद धौलरा ई.टी.ओ., संजू कुमार टिक्का, श्रीमती ब्बलेश जगाधरी, अशोक माही जगाधरी,रामरतन थम्बड, बलराज कुलपुर, हरपाल बैंक कालोनी, मैडम कैलाशवती सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल, देशराज, रामनाथ आदि का विशेष योगदान रहा।

जनसंपर्क विभाग द्वारा आमजन को दिया जा रहा है अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का निमंत्रण
19 नवंबर से 6 दिसंबर तक होगा महोत्सव का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र । आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की कड़ी में जनसंपर्क विभाग के कलाकार गांव-गांव पहुंचकर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2022 के कार्यक्रमों की जानकारी आमजन को दे रहे है। इस प्रचार अभियान के तहत पवित्र ग्रंथ गीता के श्लोकों को भी साउंड सिस्टम के माध्यम से आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। विभागीय कर्मचारियों द्वारा आमजन को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के तमाम कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक गतिविधियों, सेमिनारों आदि की जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है। अहम पहलू यह है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में 19 नवंबर से 6 दिसंबर तक सरस और क्राफ्ट मेले का आयोजन होगा, 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक मुख्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र सिंह ने कहा कि सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डा. अमित अग्रवाल के निर्देशानुसार और उपायुक्त मुकुल कुमार के मार्गदर्शन में विभागीय कर्मचारियों द्वारा इस प्रचार अभियान का एक शेड्यूल तैयार किया गया है। कर्मचारी प्रतिदिन इस शेड्यूल के अनुसार गांवों में जाकर आमजन को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के कार्यक्रमों की जानकारी के साथ-साथ कार्यक्रमों में पहुंचने का निमंत्रण भी दे रहे। विभाग का यह अभियान अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान लगातार जारी रहेगा। कर्मचारियों द्वारा आमजन को जानकारी दी जा रही है कि ब्रह्मसरोवर के घाटों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 19 नवंबर से 6 दिसंबर 2022 तक किया जाएगा। कुरुक्षेत्र 48 कोस के 75 तीर्थो पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसके साथ-साथ राज्य के सभी जिलों में भी 2 दिसंबर से 4 दिसंबर तक जिला स्तरीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Number : HAR/HIN/2018/77311